# छोटी रांग व बड़ी रांग

# नक्शा नं. 97(अ) छोटी रांग/चार हार हवेली की शोभा

महाबिलंद हवेली (बड़ी रांग)

गोल गुर्ज (बड़े त्रिपोलियों के सामने)

**छोटी रांग** की 32 हवेलियों की 4 हारें, कुल 128 हवेलियाँ

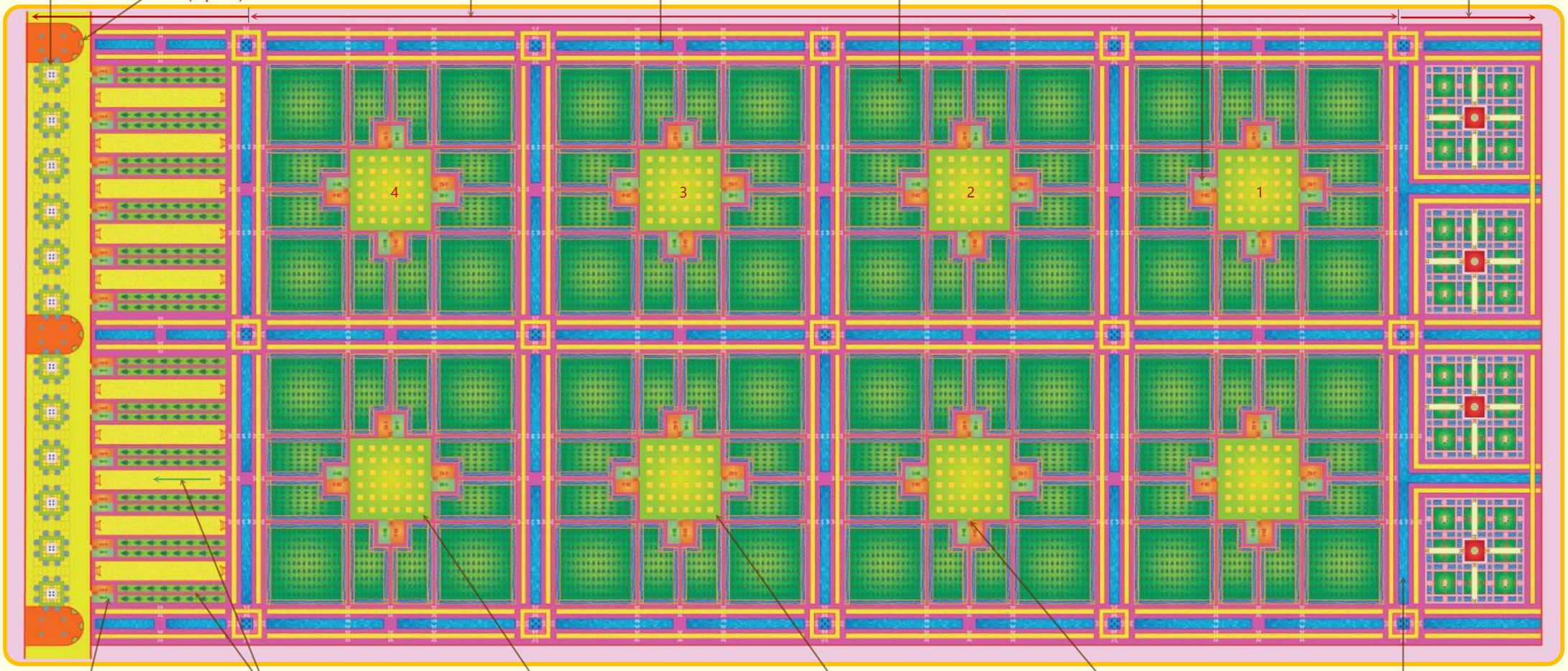
बड़ी नहर व दाएं-बाएं पाल

8 बगीचे (हवेली की चारों दिशा व चारों कोनों में , 12000 वृक्षों की 12000 हारें, 60000 भोम ऊँची)

4 चाँदनी चौंक (प्रत्येक हवेली की चारों दिशाओं में)

वन की नहरें/महल

(बड़ी रांग)




चाँदनी चौक

रौंस/रास्ते (छोटी रांग से बड़ी रांग की ओर)

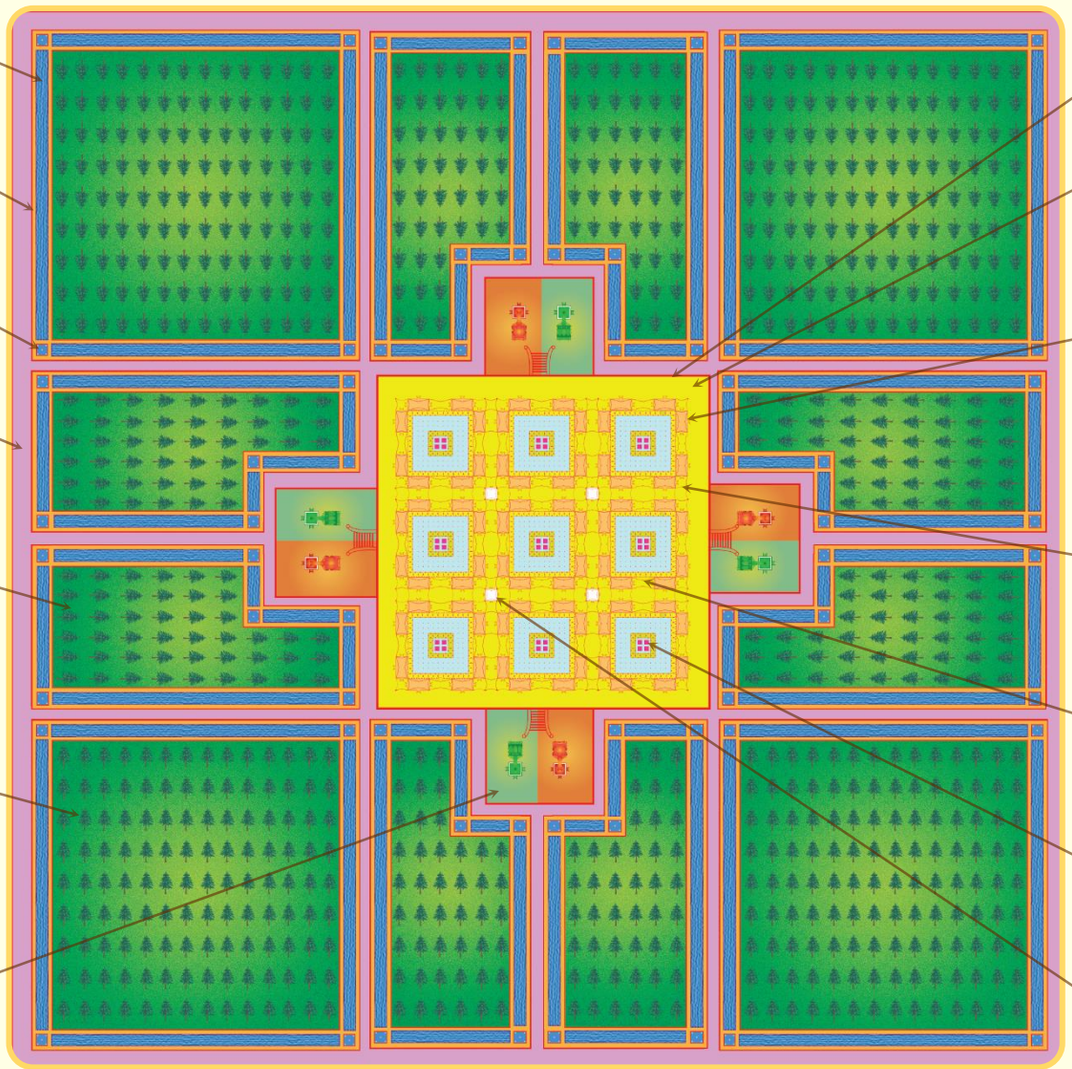
छोटी रांग की एक बड़ी हवेली में 12000 हवेलियों की 12000 हारें

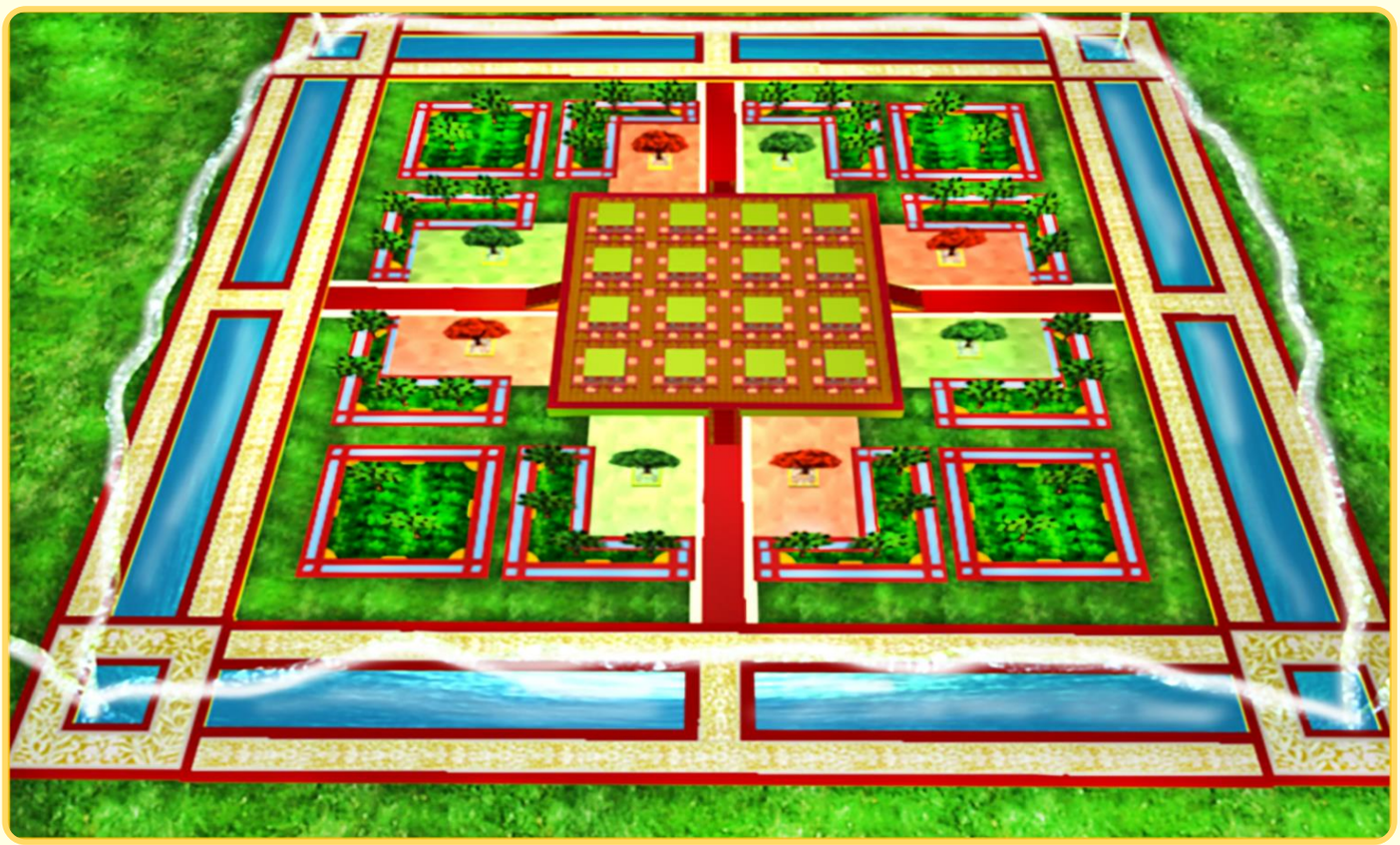
चबूतरा (भोमभर ऊँचा)

भोमभर सीढ़ियाँ (हवेली की चारों दिशाओं में)

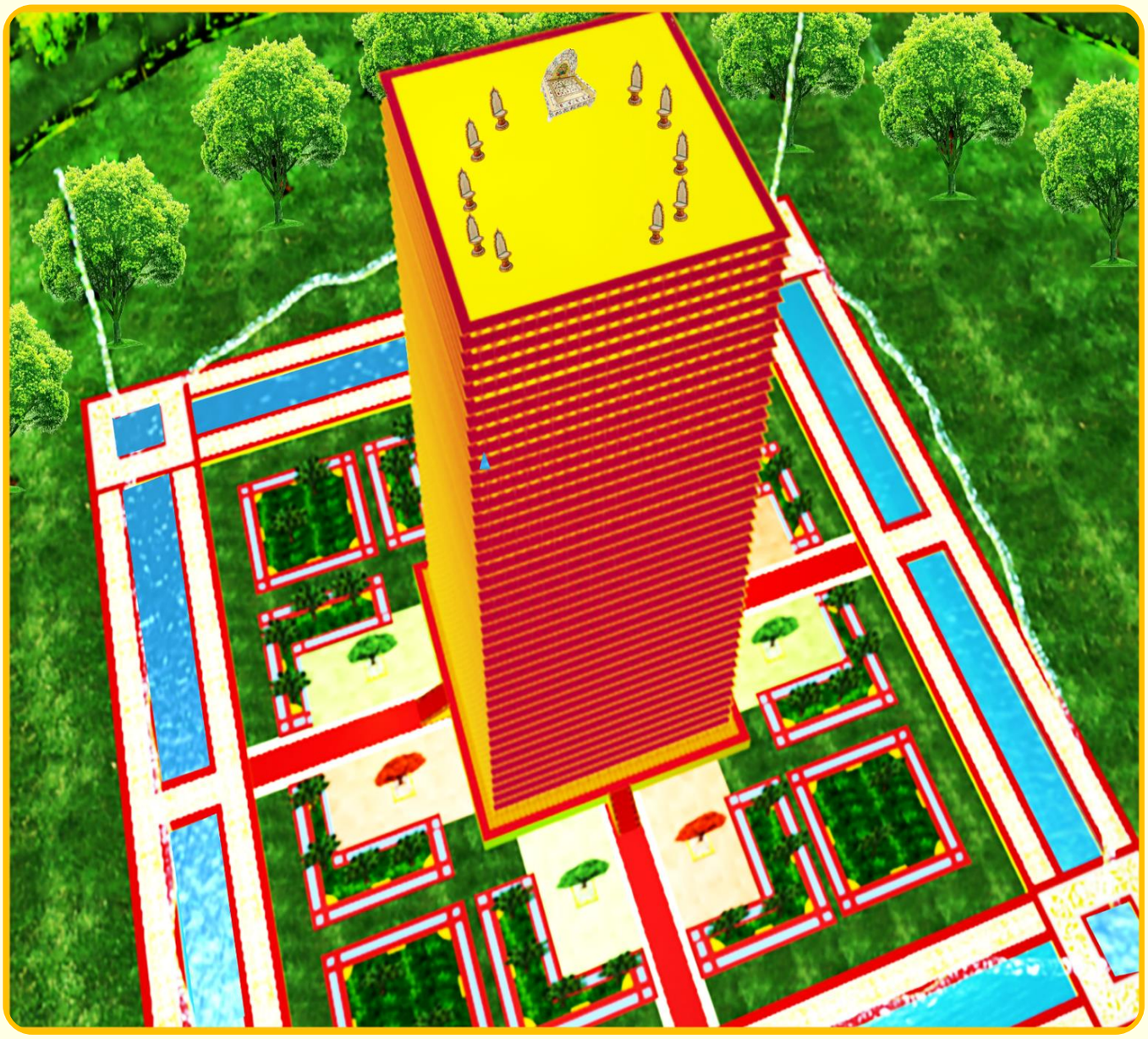
बड़ी नहर (वन के महल व छोटी रांग की संधि में)

# नक्शा नं. 97(ब) छोटी रांग : एक हवेली की शोभा

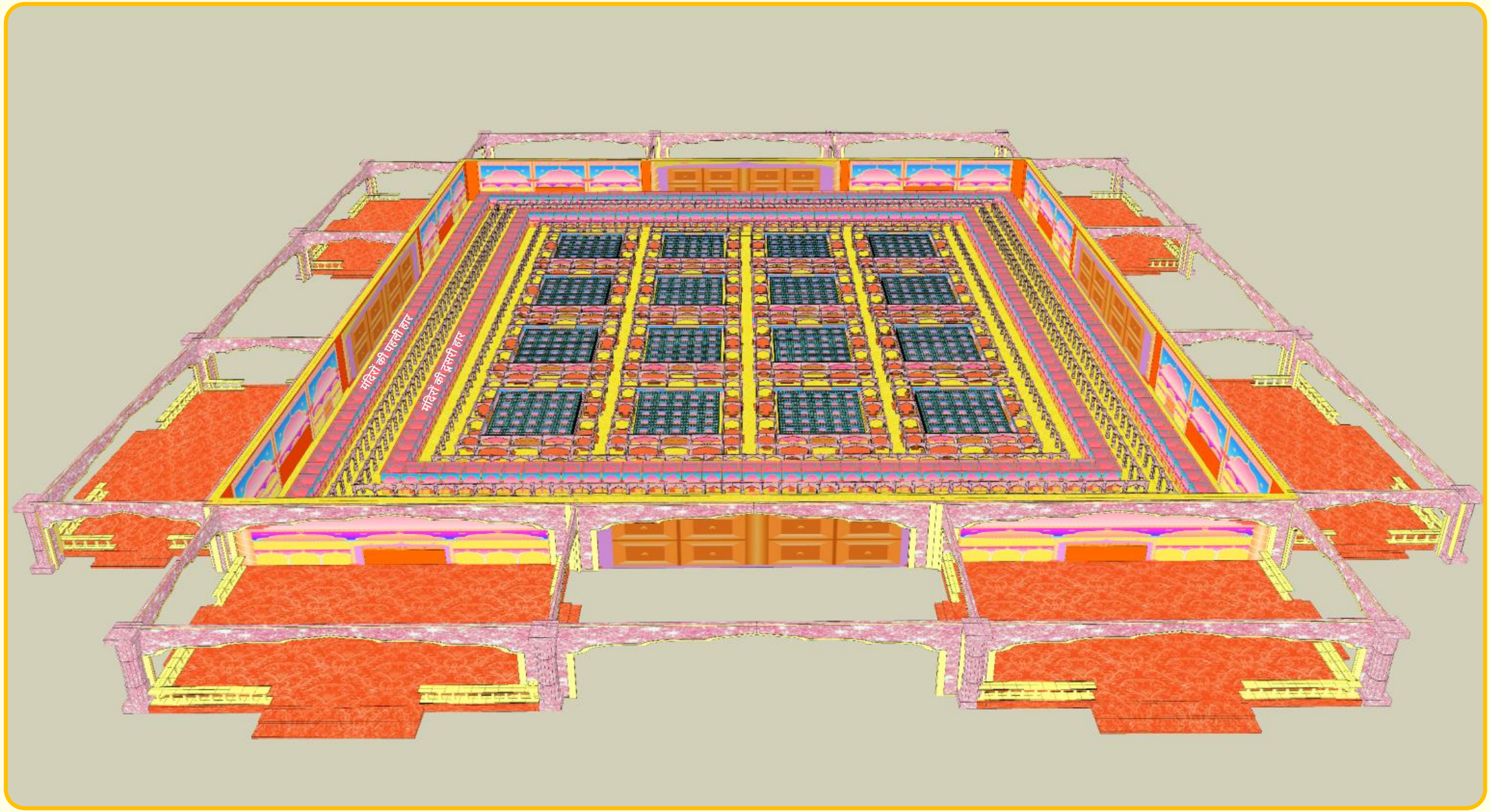


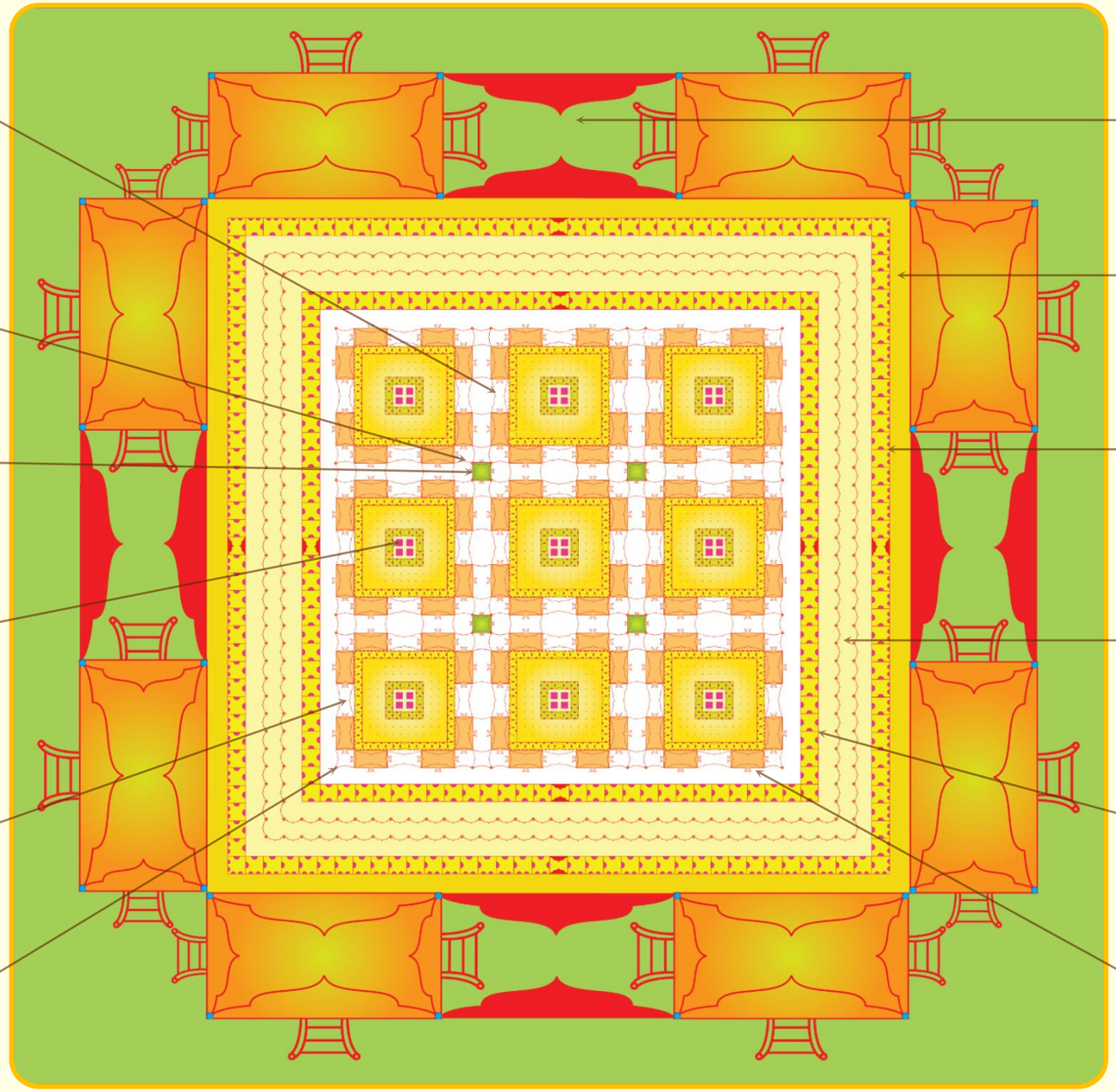
पांच भोम हवेलियन की, चौक छठी चांदनी।
सब बैठे एक नूर एक रस, ए ठौर अति सुखदाए अपनी ।।



चारों हारे हवेलियों, चारों रास्ते दोरी बंध।
दरखत दोऊं बाजू के, ए नूर मोमिन जाने सनंध ।।


मंदिरों की पहली हार
मंदिरों की दूसरी हार

# नक्शा नं. 98(अ) छोटी रांग व बड़ी रांग - एक हवेली में महलों की शोभा



24 मेहराबें
(महल की 4 दिशाओं में )

24 मेहराबें
(4 महलों के कोनों में आए चबूतरे पर)

चबूतरे (कमरभर ऊँचे,
4 महलों के कोनों में)

12000 मंदिरों की 12000 हारें (प्रत्येक महल में)

महल का मुख्य दरवाजा व दाएं-बाएं चबूतरे (कमरभर ऊँचे)

थंभों की 1 हार
(महल को घेरकर)

हवेली का मुख्य दरवाजा व दाएं-बाएं कमरभर ऊँचे चबूतरों पर 10 मेहराबें

परिक्रमा रौंस
(400 कोस चौड़ी)

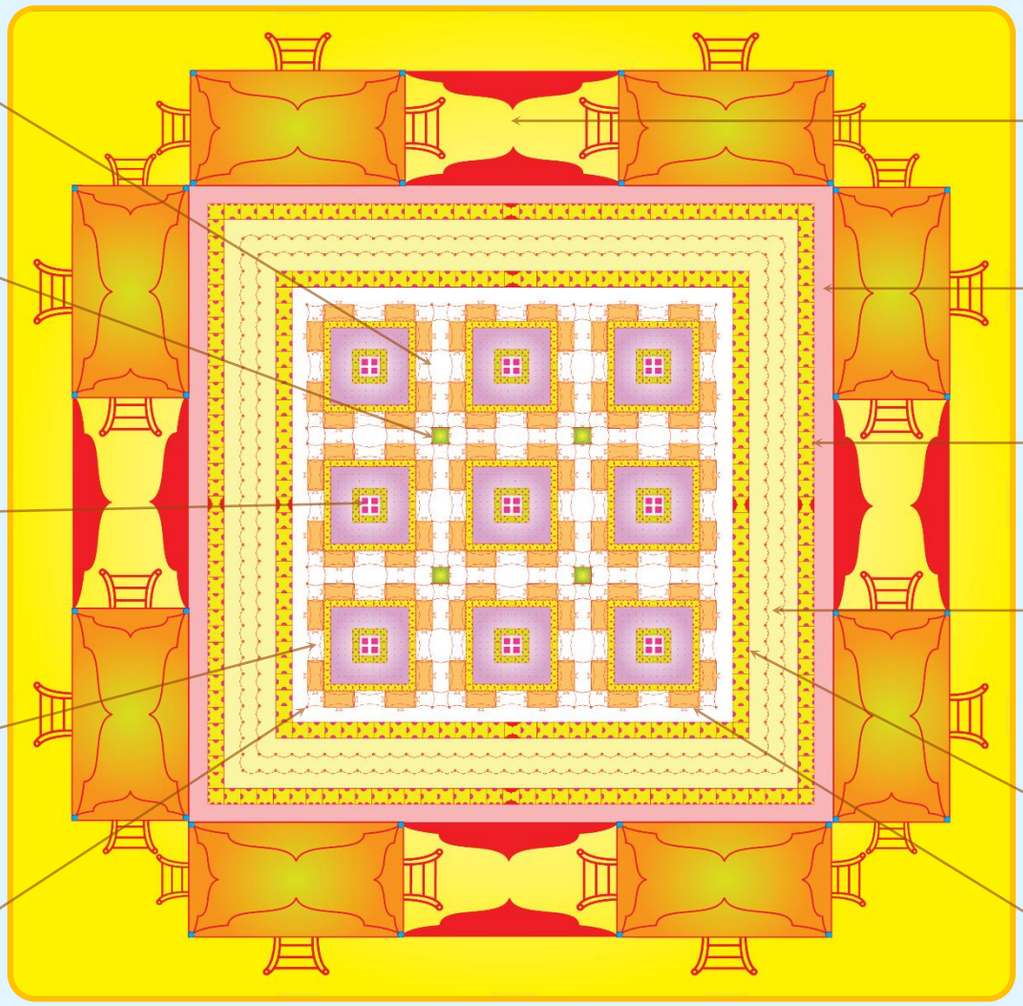
6000 मंदिरों की पहली हार व 4 दरवाजे

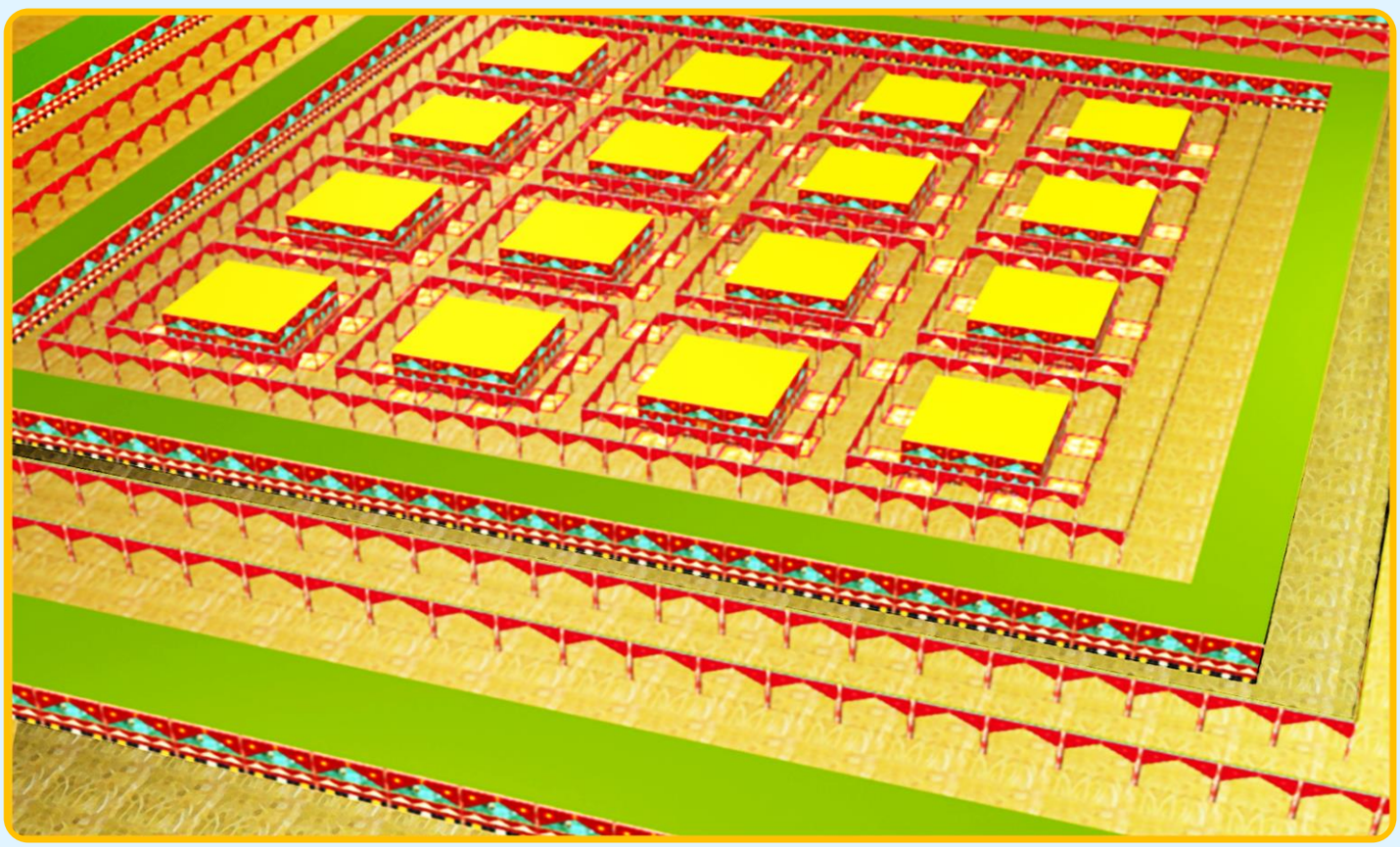
त्रिपोलिया
(6000 थंभों की 2 हारें व गली)

6000 मंदिरों की दूसरी हार व 4 दरवाजे

12000 महलों की 12000 हारें

# नक्शा नं. 98(ब) छोटी रांग व बड़ी रांग - एक महल में मंदिरों की शोभा



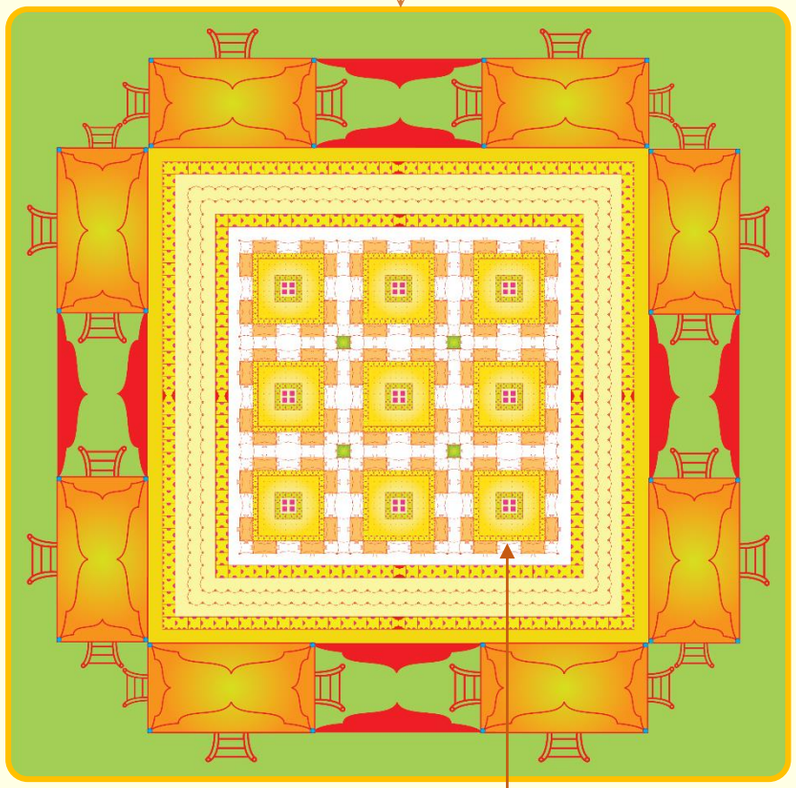
# नक्शा नं. 99 छोटी रांग व बड़ी रांग - एक हवेली में महल, मंदिर व कोठरी की शोभा

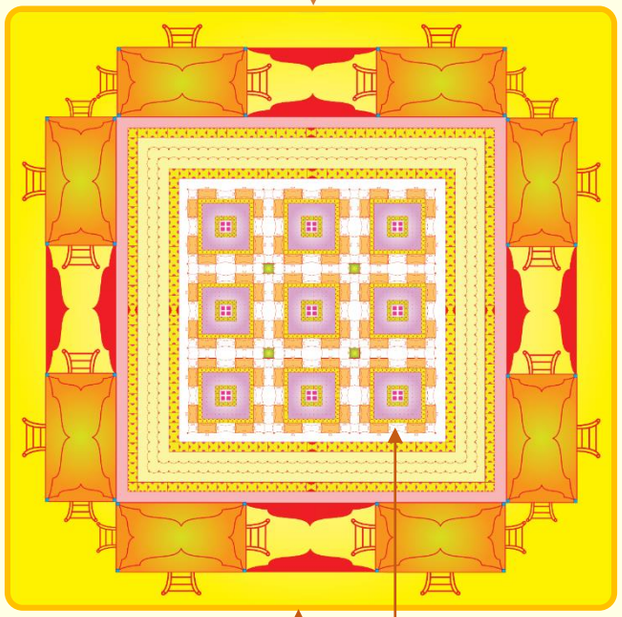
हवेली की शोभा

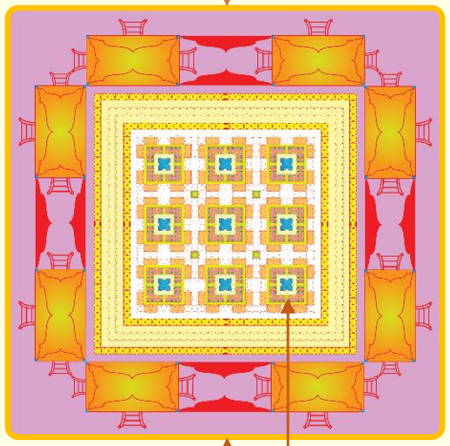
महल की शोभा

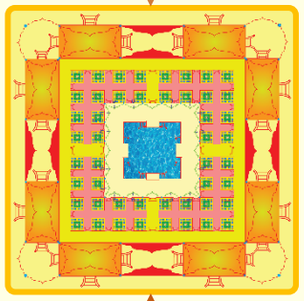
मंदिर की शोभा

कोठरी की शोभा









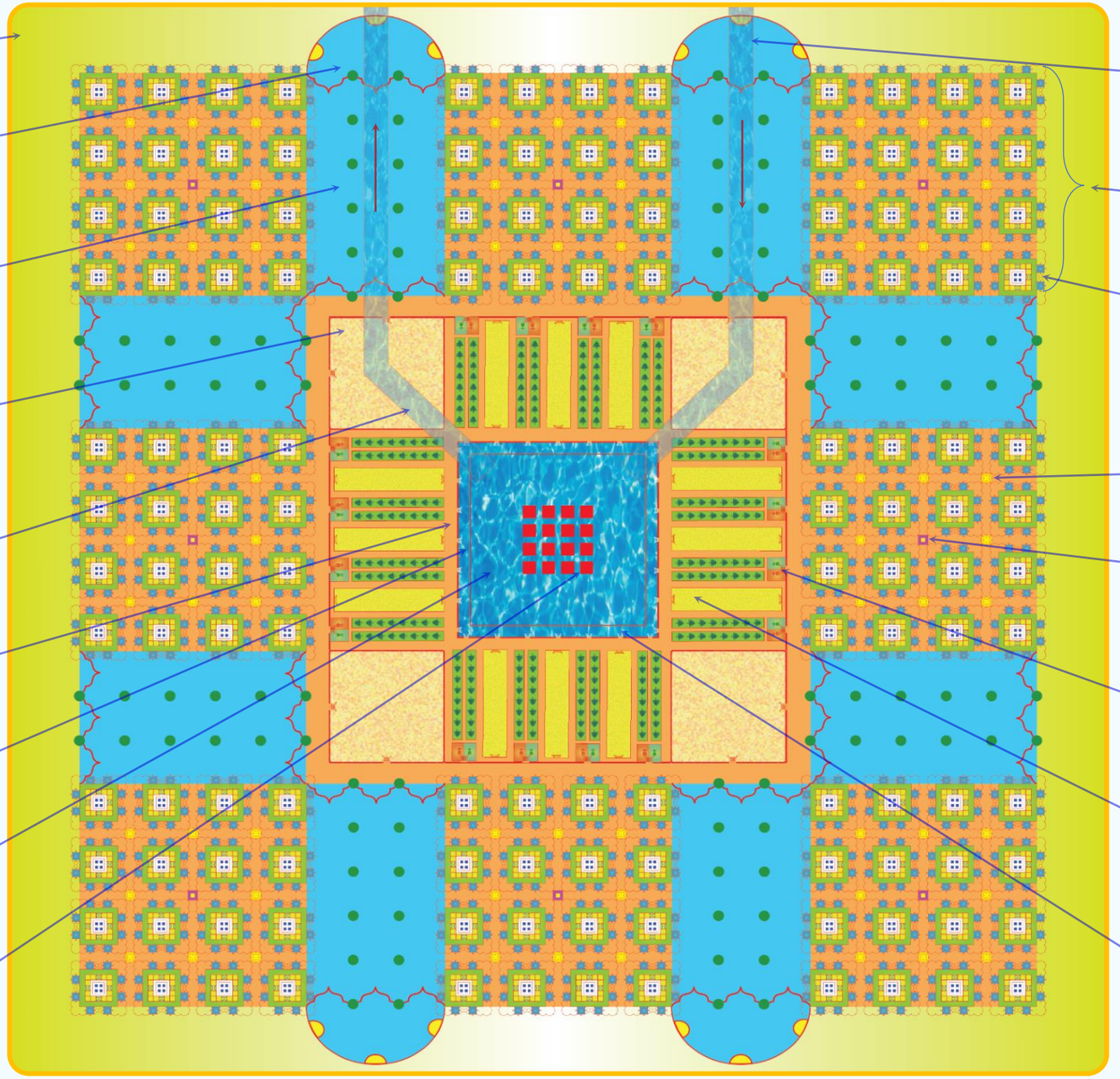
(हवेली में 12,000 महलों में से
1 महल की शोभा)

(महल में 12,000 मंदिरों में से
1 मंदिर की शोभा)

(मंदिर में 12,000 कोठरियों में से
1 कोठरी की शोभा)

छोटी रांग - 12,000 की 12,000 हारें, 5 भोम ऊँची (प्रत्येक भोम में 12,000 भोम, कुल ऊँचाई 60,000 भोम)
बड़ी रांग - 12,000 की 12,000 हारें, 12,000 भोम ऊँची (प्रत्येक भोम में 12,000 भोम, कुल ऊँचाई 14,40,00,000 भोम)

# नक्शा नं. 100(अ) बड़ी रांग : एक सागर के चारों तरफ की शोभा



चबूतरा (भोमभर ऊँचा)

गोल गुर्ज
(बड़े त्रिपोलिये के सामने)

बड़ा त्रिपोलिया

रेती का मैदान
(सागर के चारों कोनों में)

जल (गुप्त रूप से घड़नाले द्वारा सागर से निकलता हुआ)

जल रौंस (400 कोस चौड़ी)

जल चबूतरा

सागर का जल

टापू महल
(सागर के मध्य में 12000 की 12000 हारें)

जल (गुप्त रूप से सागर में समाता हुआ)

8 महाबिलंद हवेलियाँ
(सागर के चारों दिशाओं व कोनों में)

12000 हवेलियों की 12000 हारें, 12,000 भोम ऊँची
(एक महाबिलंद हवेली में)

चबूतरे
(हवेलियों के चारों कोनों में)

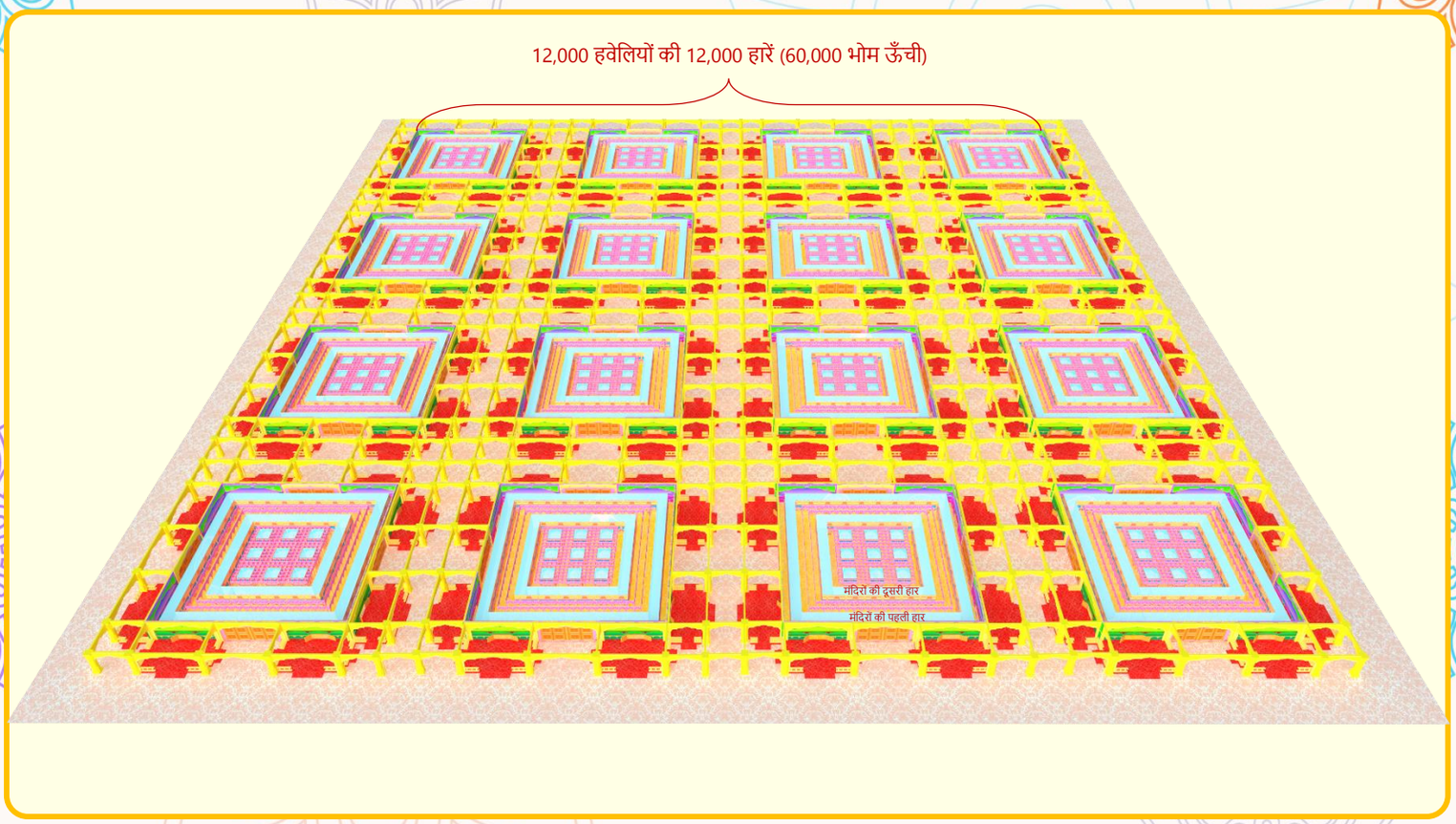
मध्य की हवेली
(महाबिलंद हवेलियों के मध्य के त्रिपोलियों में)

12000 चाँदनी चौक
(12,000 हवेलियों के सामने)

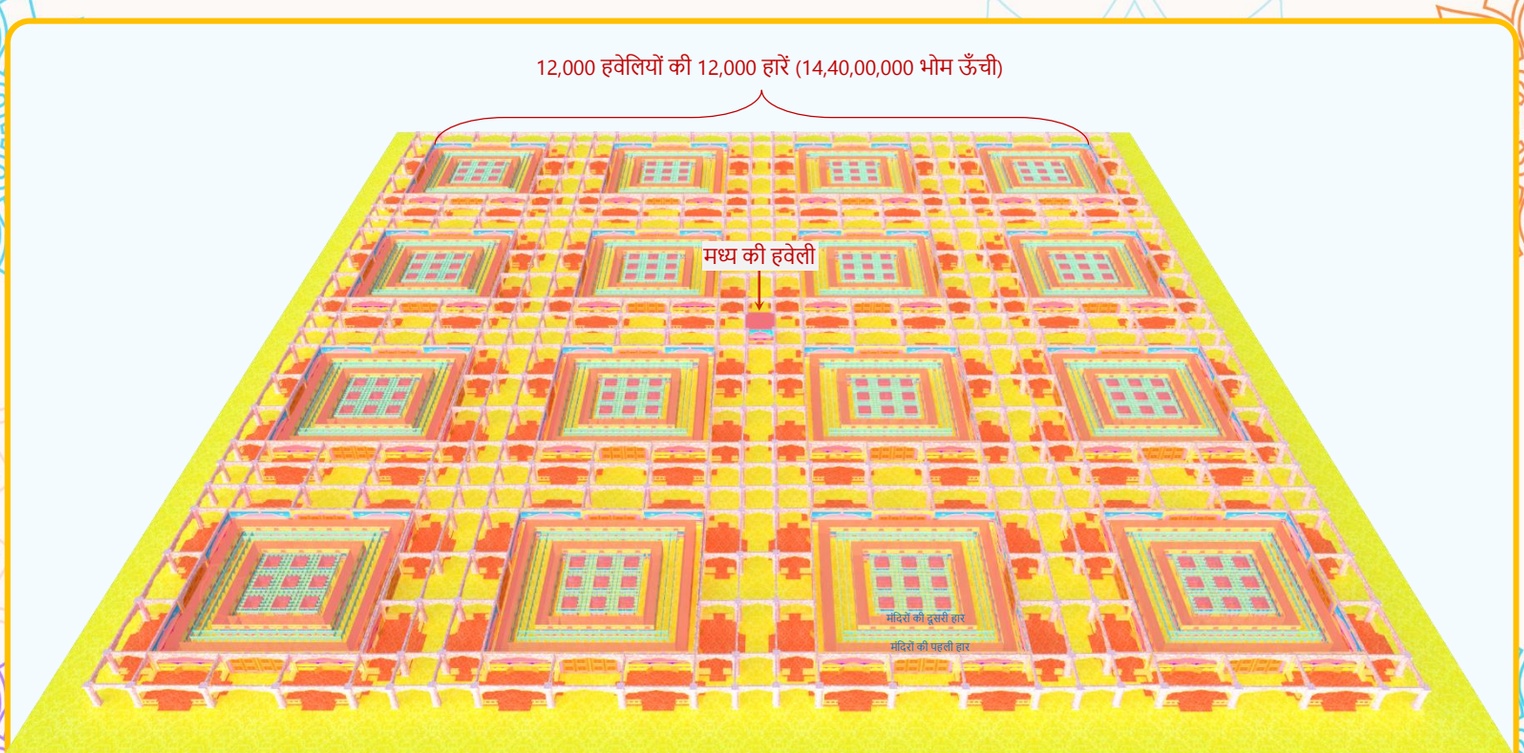
24,000 रौंस
(12,000 त्रिपोलियों के सामने, 12,000 चाँदनी चौक के मध्य में))

घाट/जल चबूतरे पर उतरती सीढ़ियाँ (24,000 रौंस के सामने)

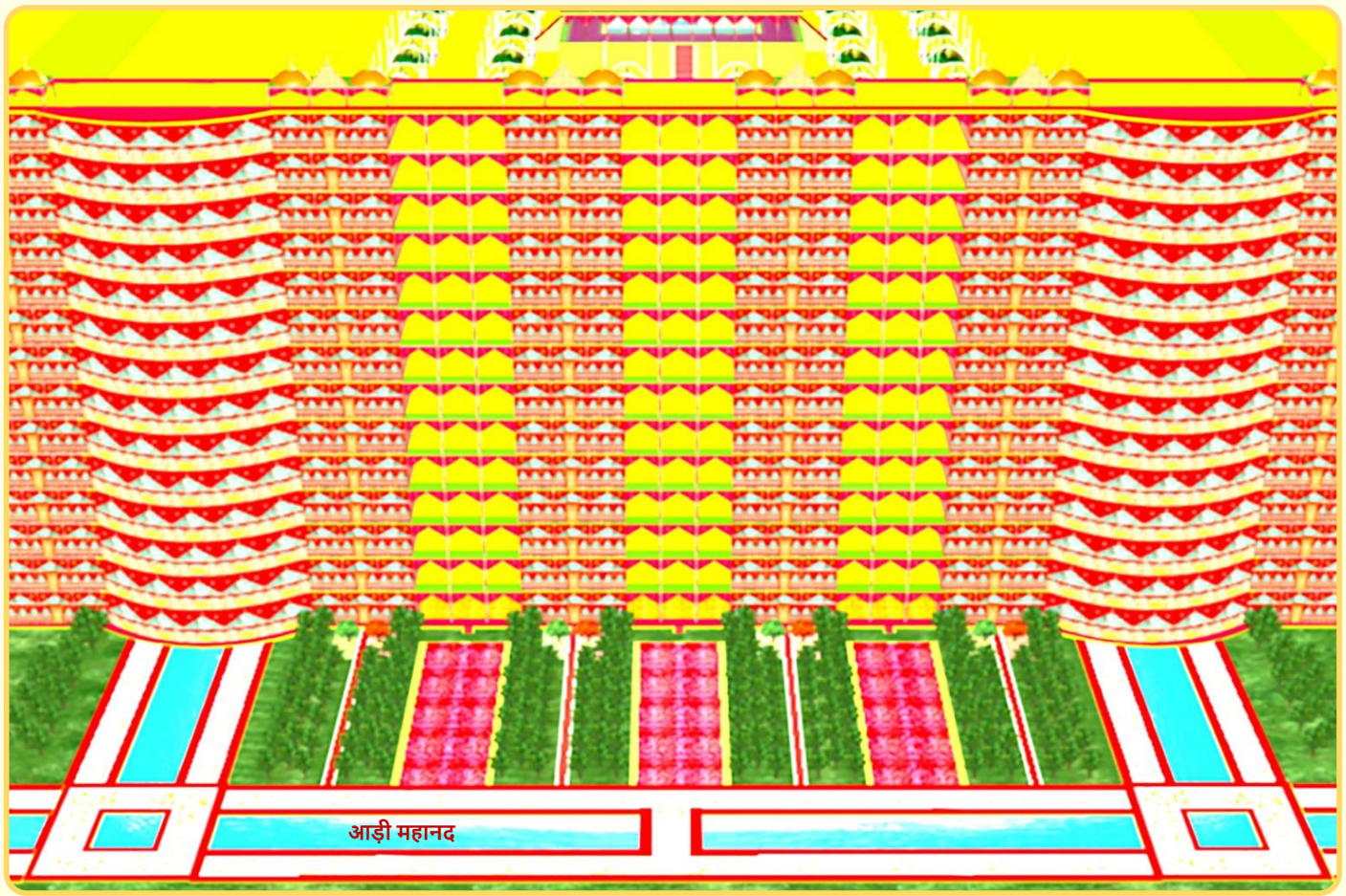
## छोटी रांग : एक महाबिलंद हवेली की शोभा



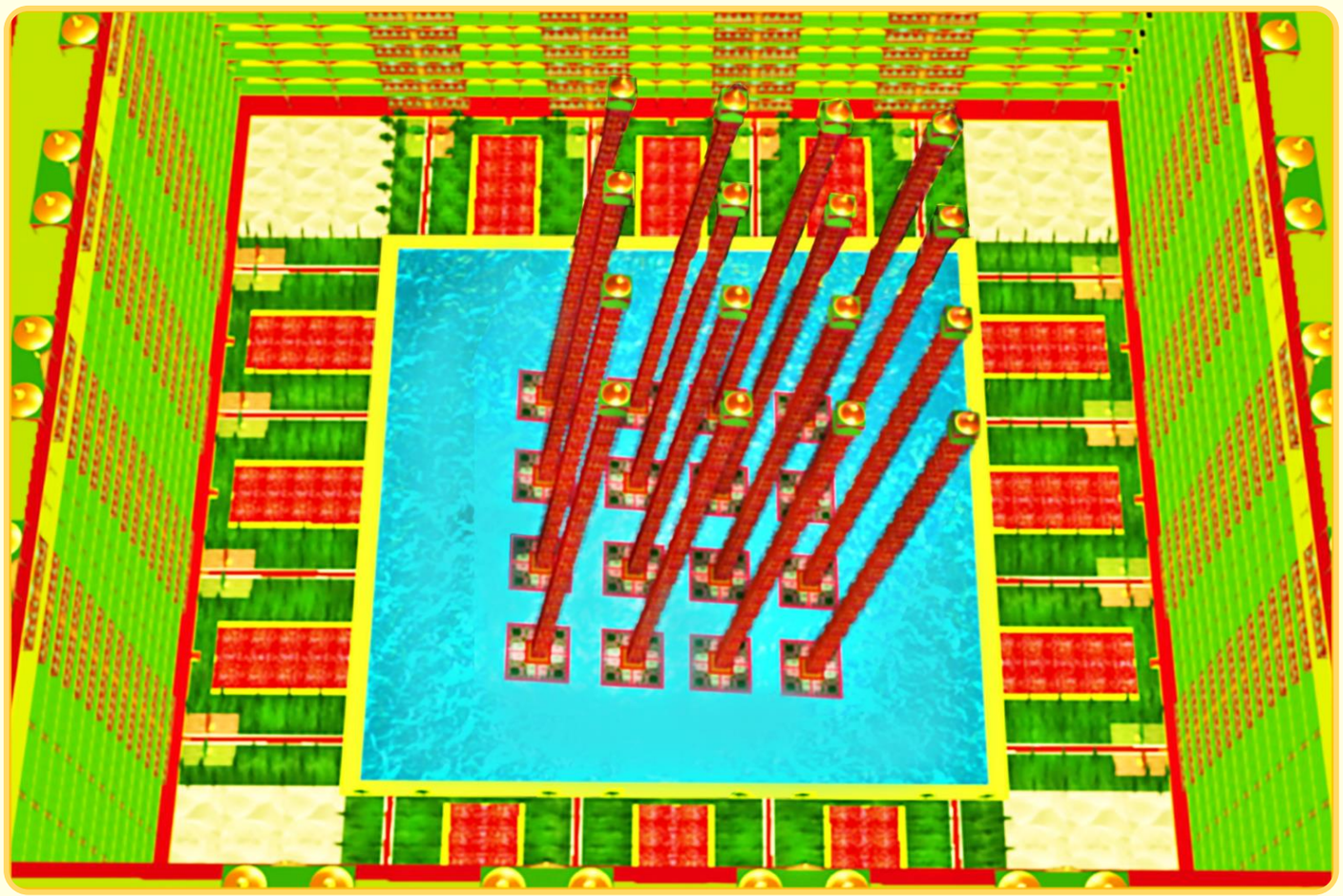

## बड़ी रांग : एक महाबिलंद हवेली की शोभा



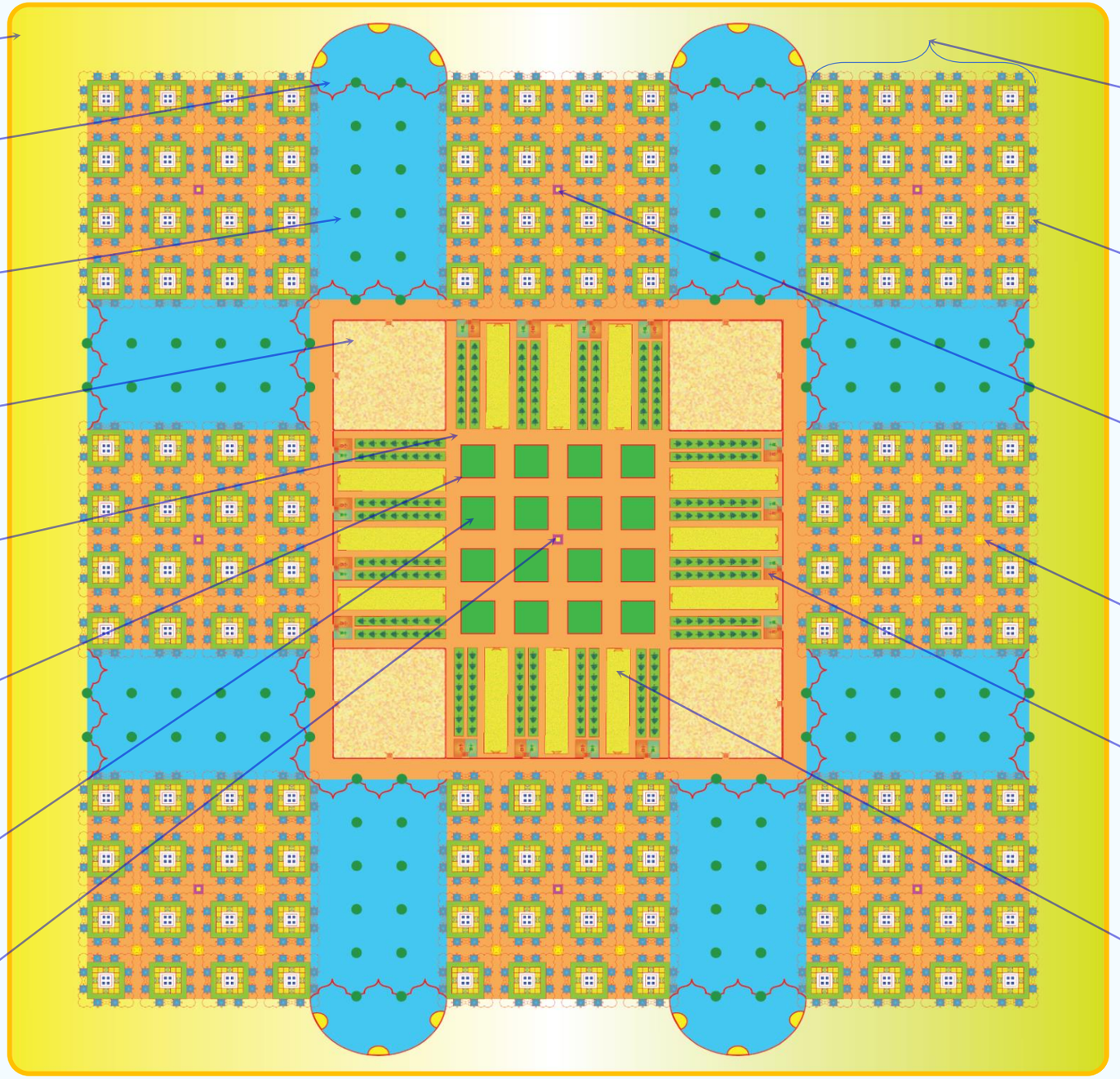
## छोटी रांग की अंतिम आड़ी महानद से बड़ी रांग तक की शोभा




## सागर के मध्य टापू महलों की शोभा



# नक्शा नं. 100(ब) बड़ी रांग : एक जमीन के चारों तरफ की शोभा



चबूतरा (भोमभर ऊँचा)

गोल गुर्ज
(बड़े त्रिपोलिये के सामने)

बड़ा त्रिपोलिया

रेती का मैदान
(सागर के चारों कोनों में)

रौंस (जमीन को घेरकर
1600 कोस चौड़ी)

12000 हवेलियों की
12000 हारें
(भोमभर ऊँचे चबूतरे पर)

महाहवेली (भोमभर ऊँची
पाल पर सम्पूर्ण शोभा नूरी
फूलों पत्तों की)

मध्य की हवेली
(महाहवेली के मध्य में)

8 महाबिलंद हवेलियाँ
(जमीन की चारों दिशाओं व
कोनों में)

12000 हवेलियों की
12000 हारें,
12,000 भोम ऊँची
(एक महाबिलंद हवेली में)

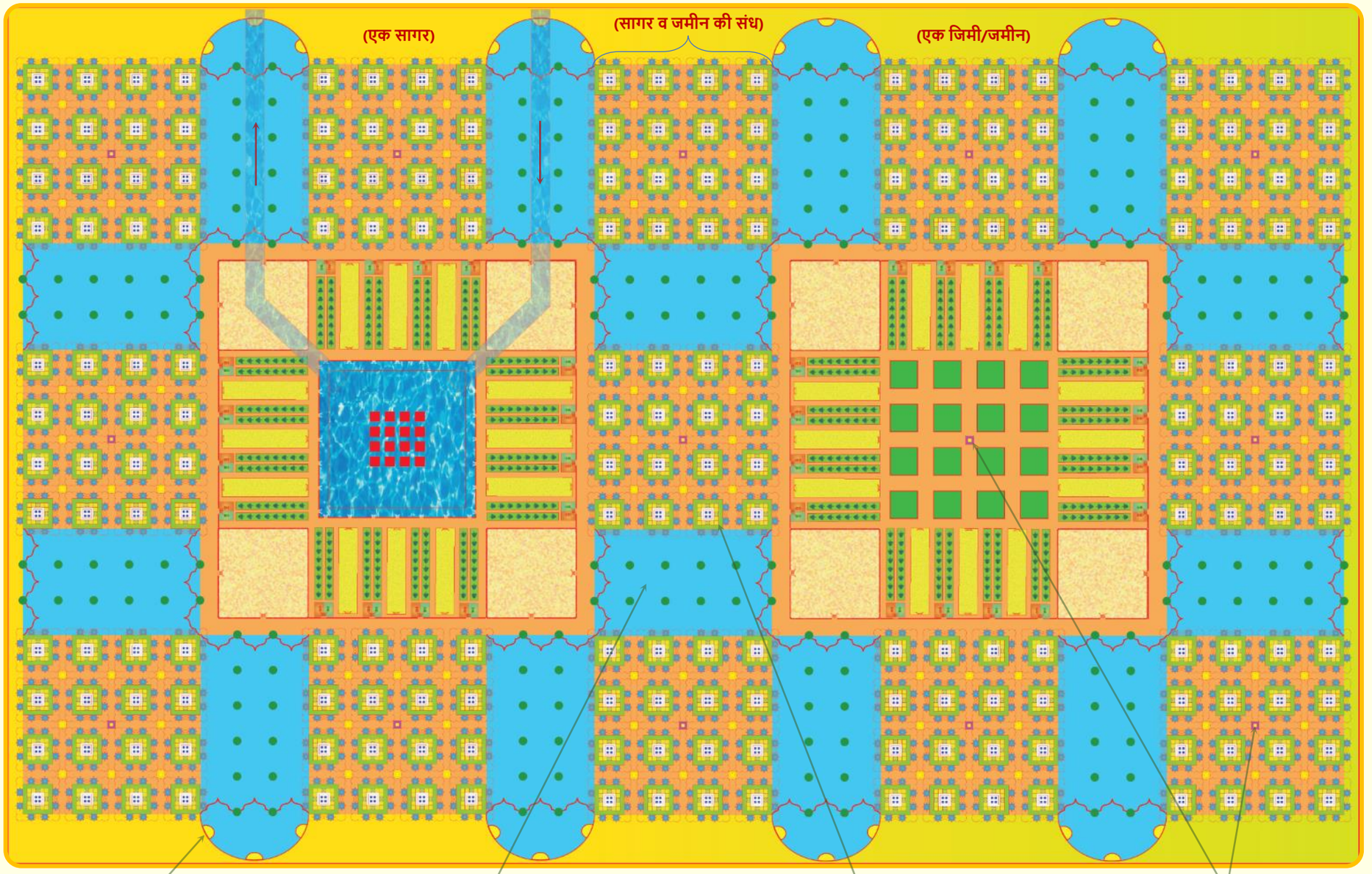
मध्य की हवेली
(महाबिलंद हवेलियों के
मध्य के त्रिपोलियों में)

चबूतरे
(हवेलियों के चारों कोनों में)

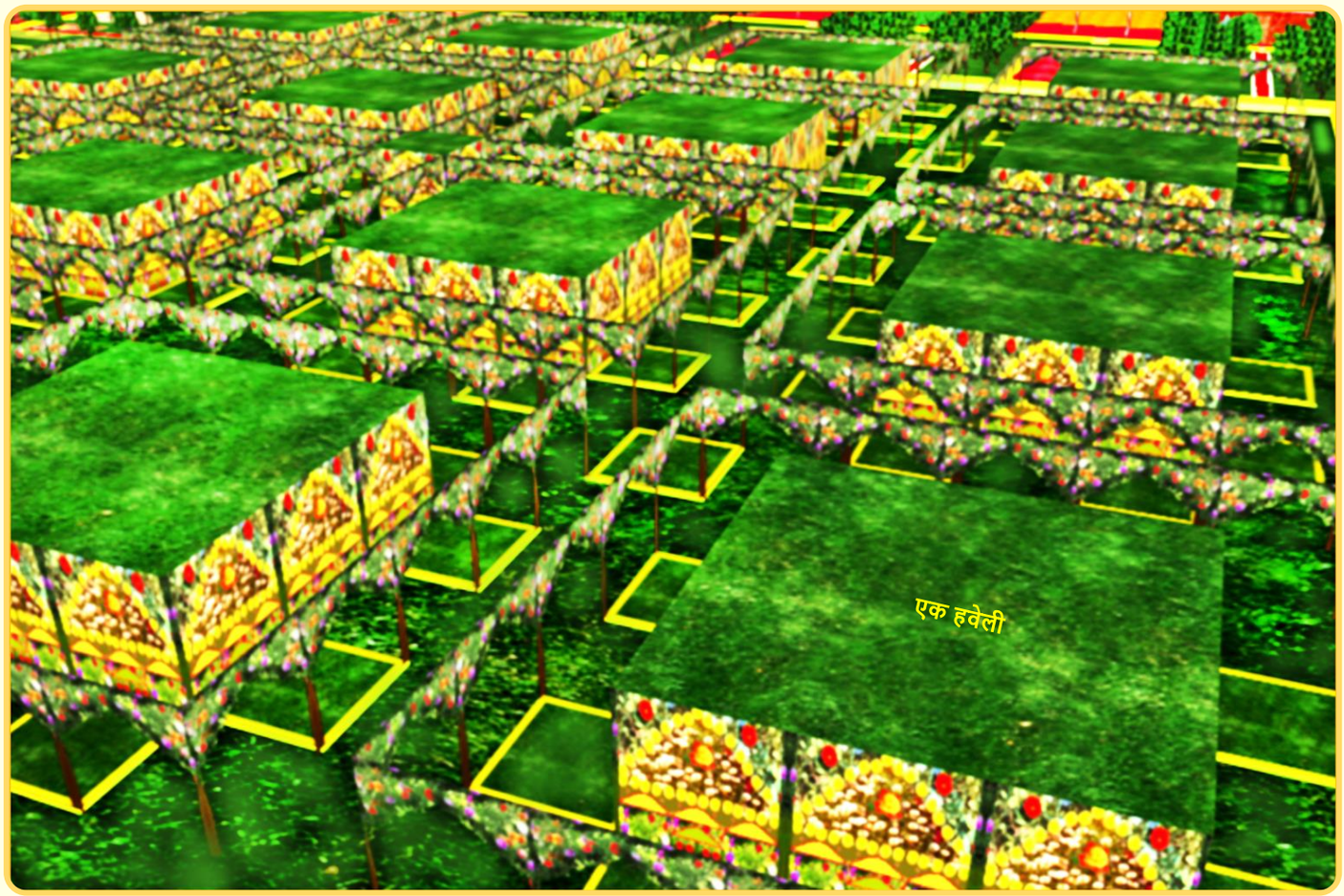
12000 चाँदनी चौक
(12,000 हवेलियों के
सामने)

24,000 रौंस
(12,000 त्रिपोलियों के
सामने, 12,000 चाँदनी
चौक के मध्य में))

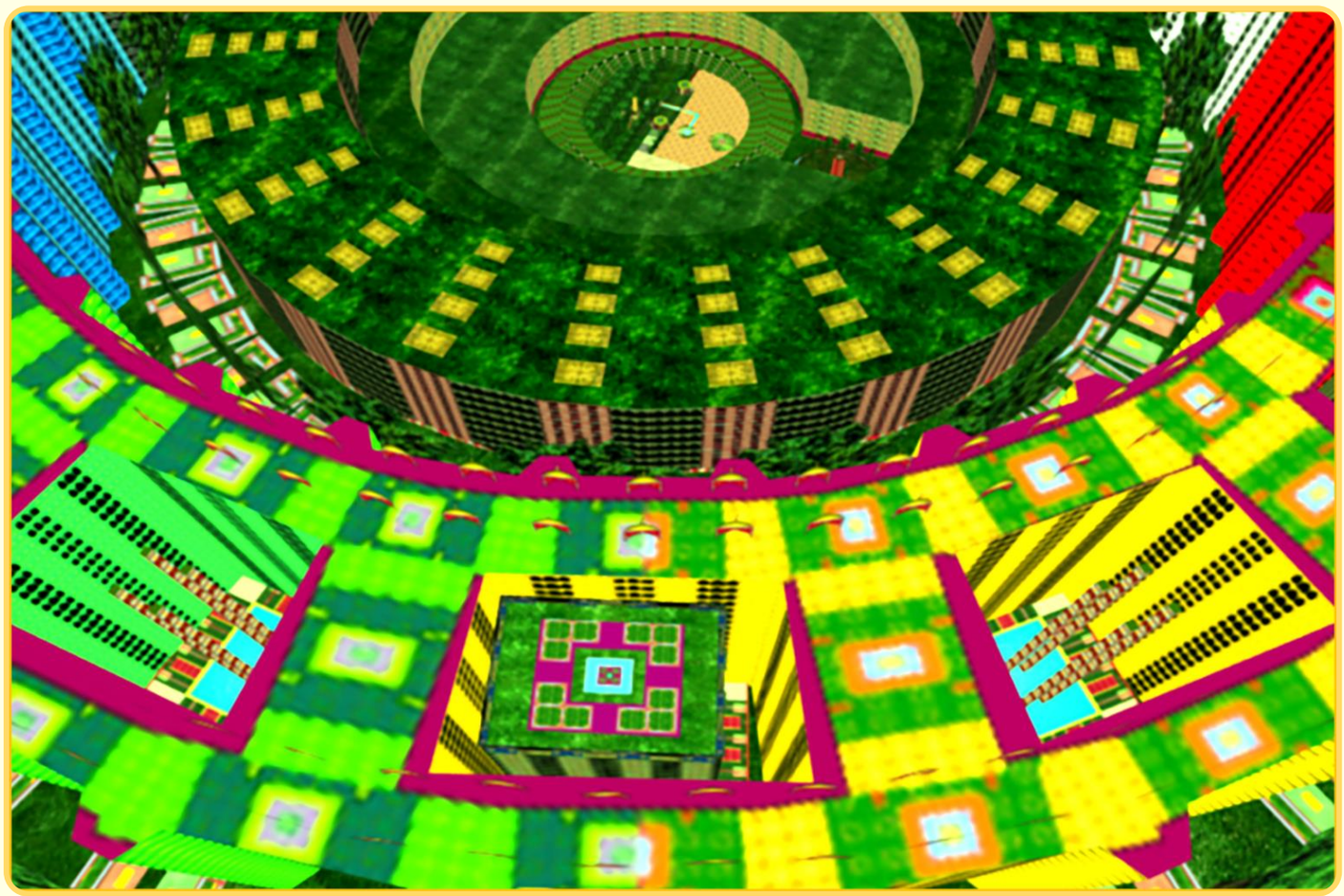
# नक्शा नं. 101 बड़ी रांग : एक सागर व एक जिमी/जमीन के चारों तरफ की शोभा

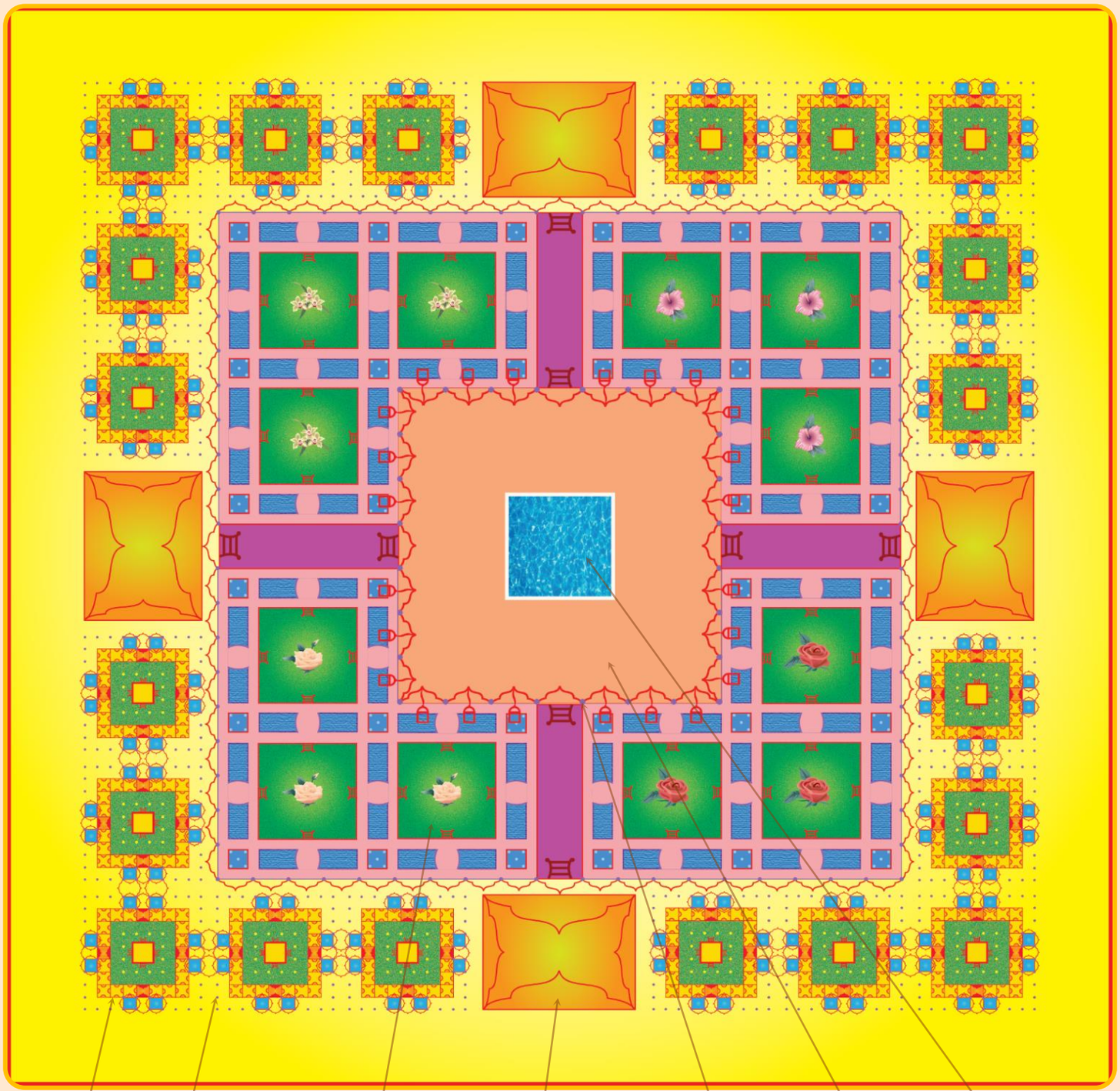


## एक जमीन की महाबिलंद हवेली की भीतरी शोभा



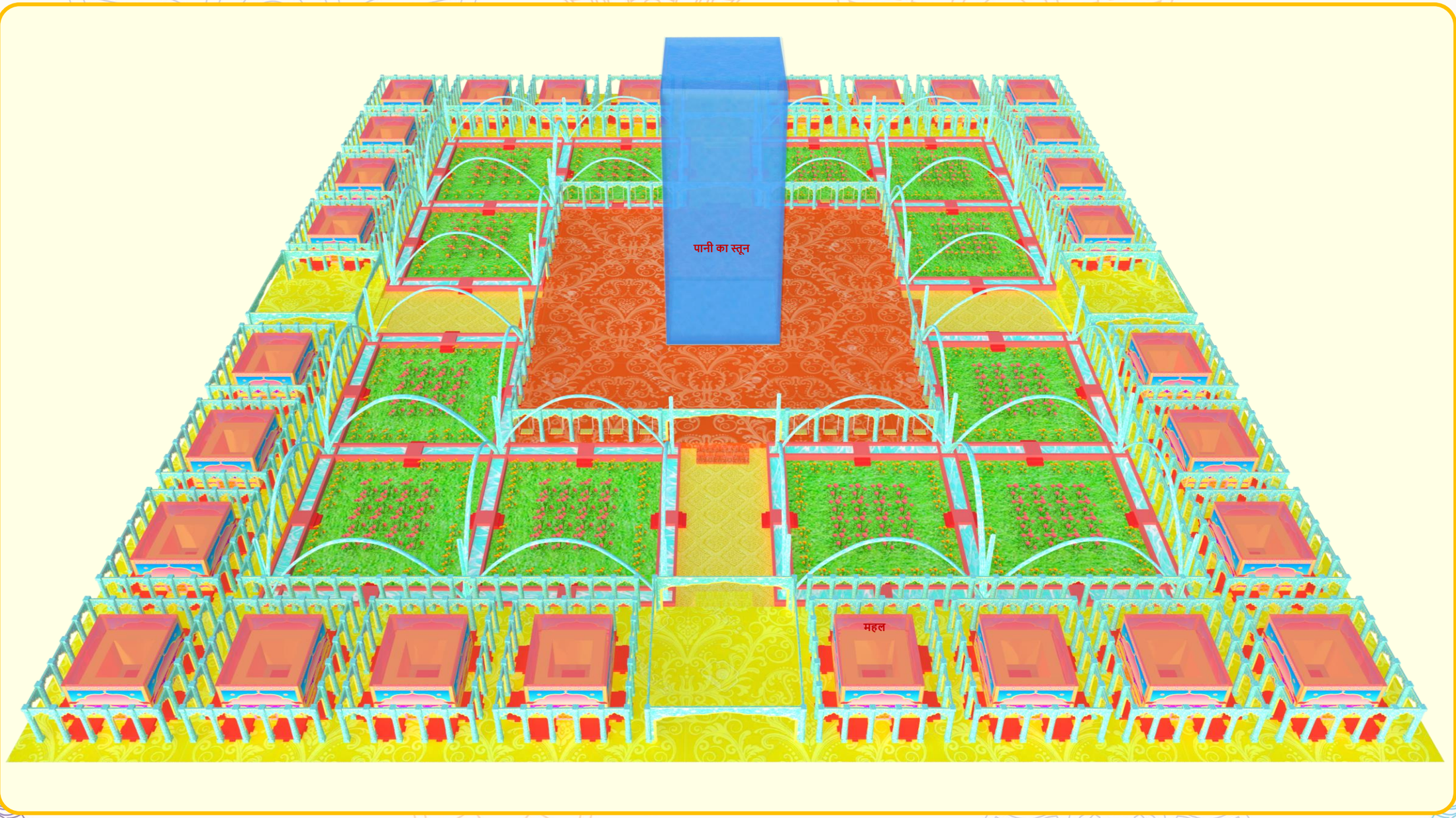

## जमीन व सागर की शोभा



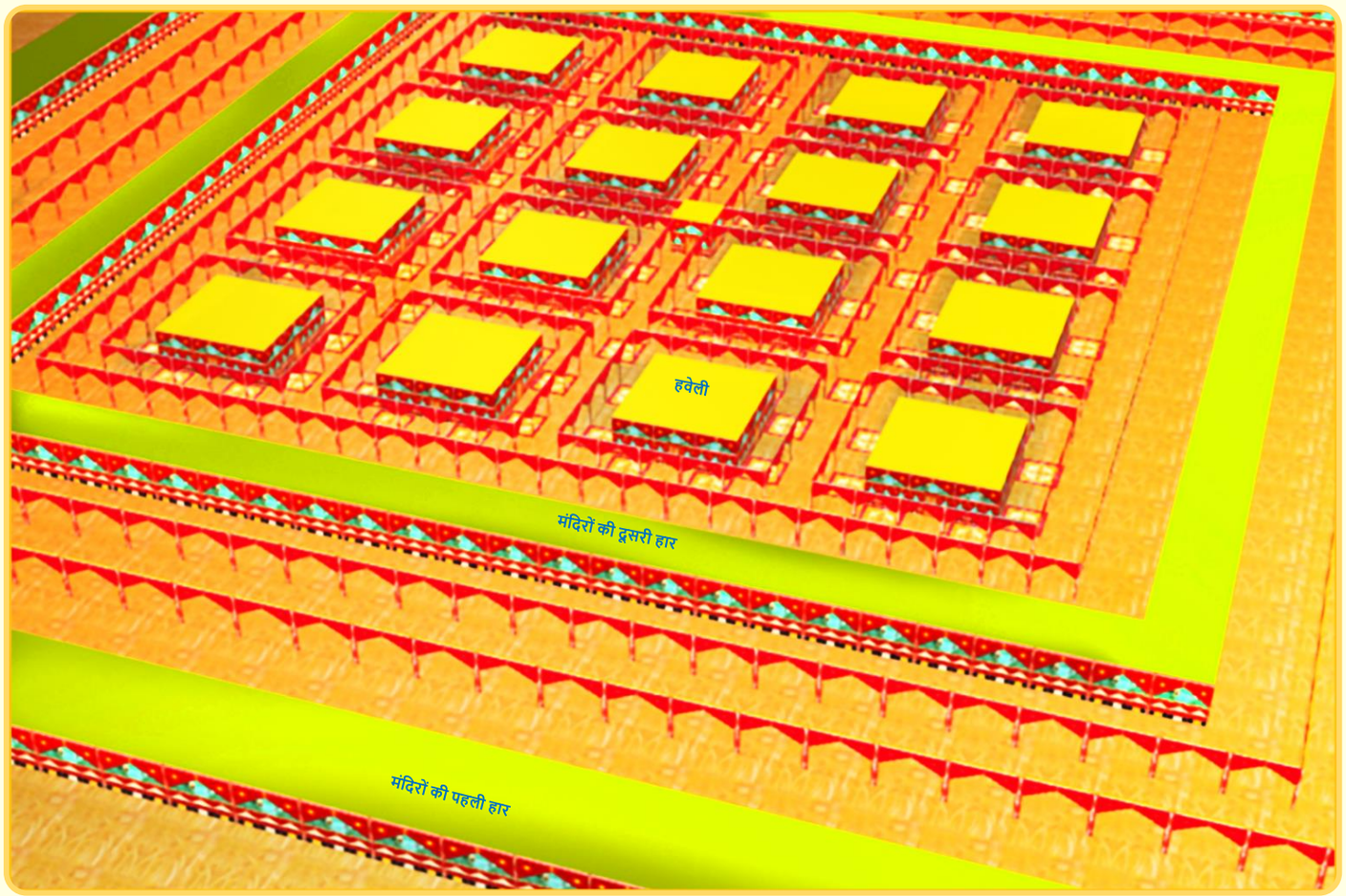



तो नूर रांग पार की क्यों कहूं, जाको सुमार नहीं वार पार ।
वह मोमिन देखें दिल अर्स में, जो दिल अर्स परवरदिगार ।।

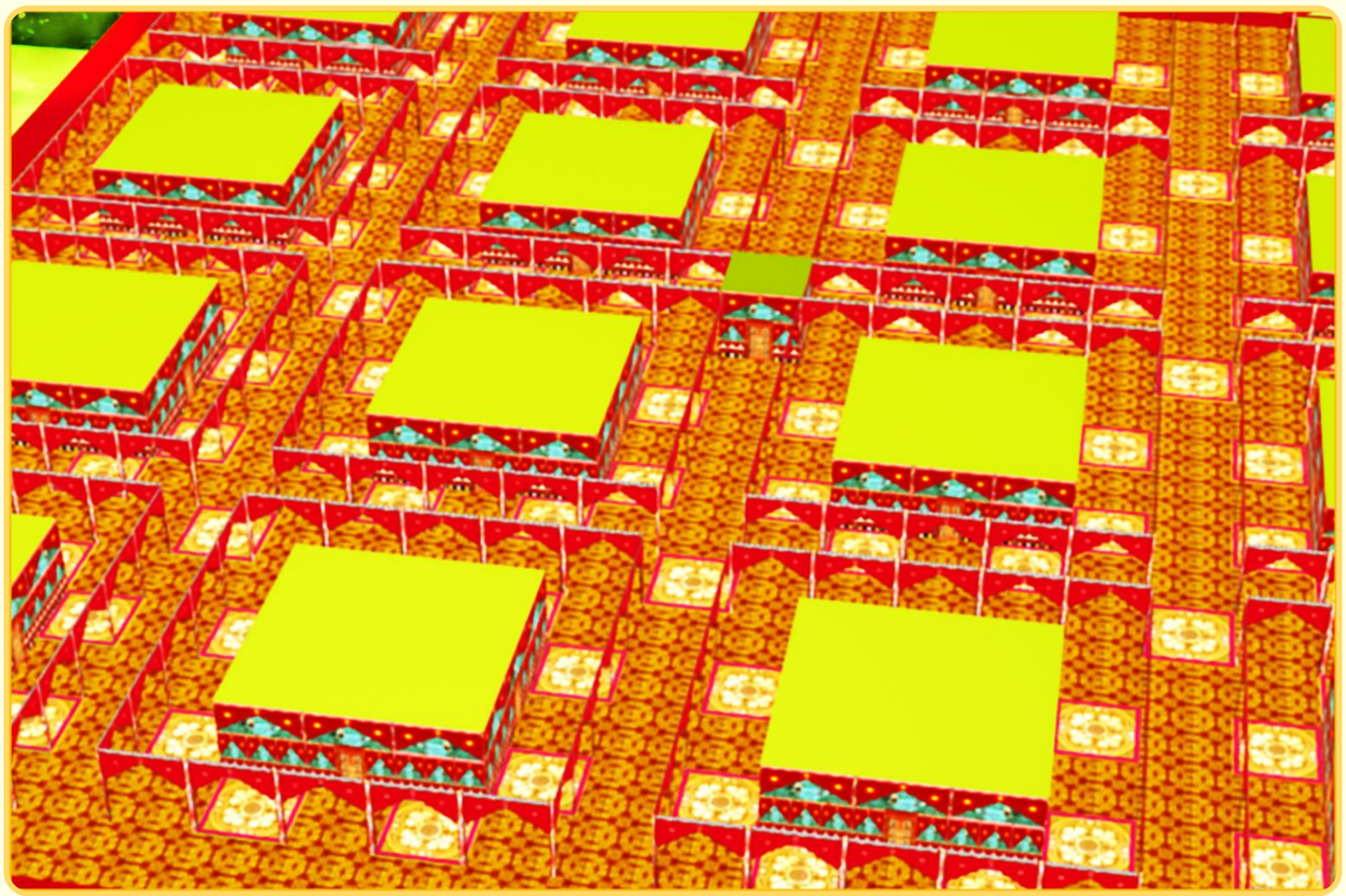
# बड़ी रांग : मध्य की हवेली की शोभा



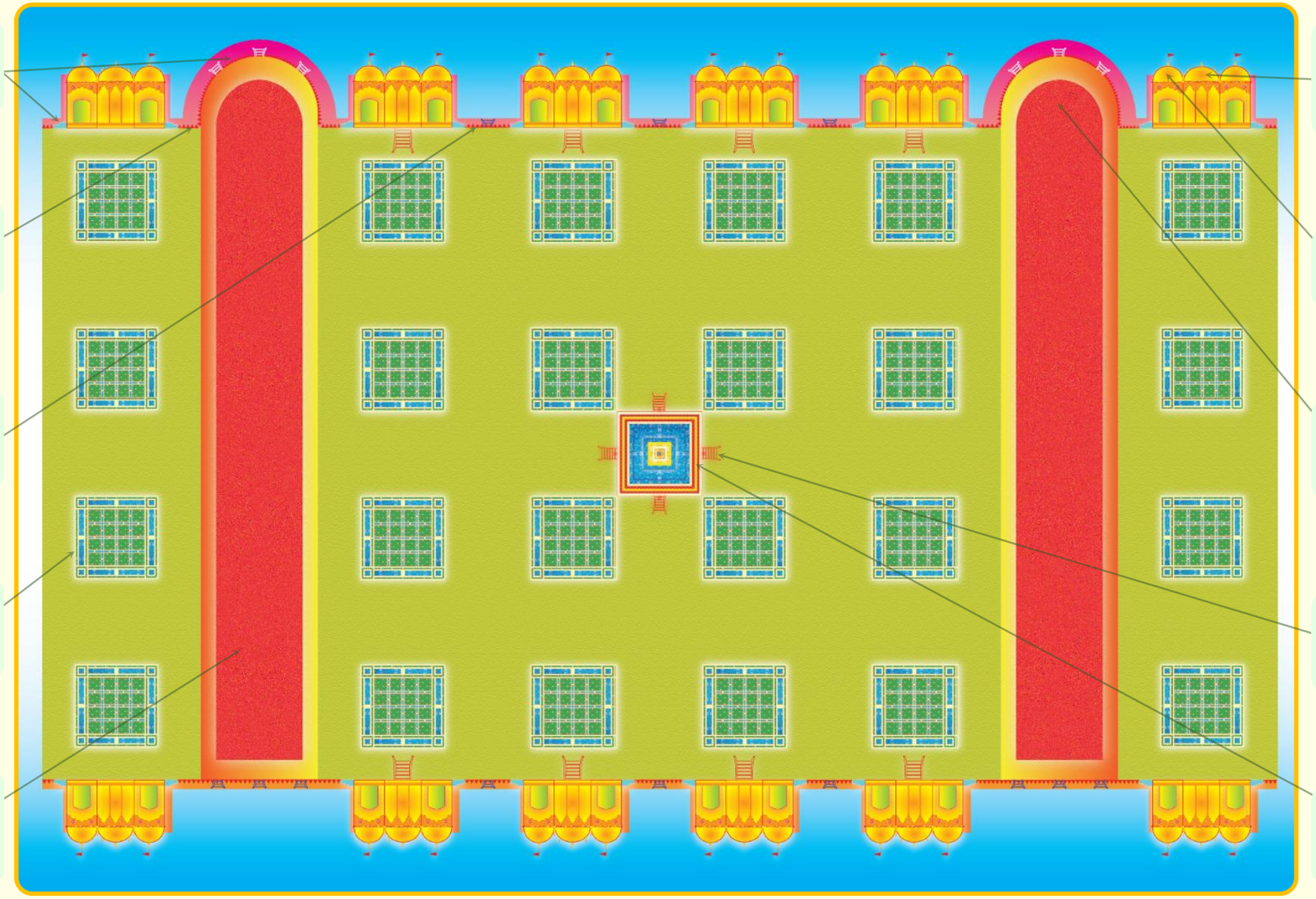
## एक महाबिलंद हवेली की शोभा




## महाबिलंद हवेली के मध्य की हवेली की शोभा



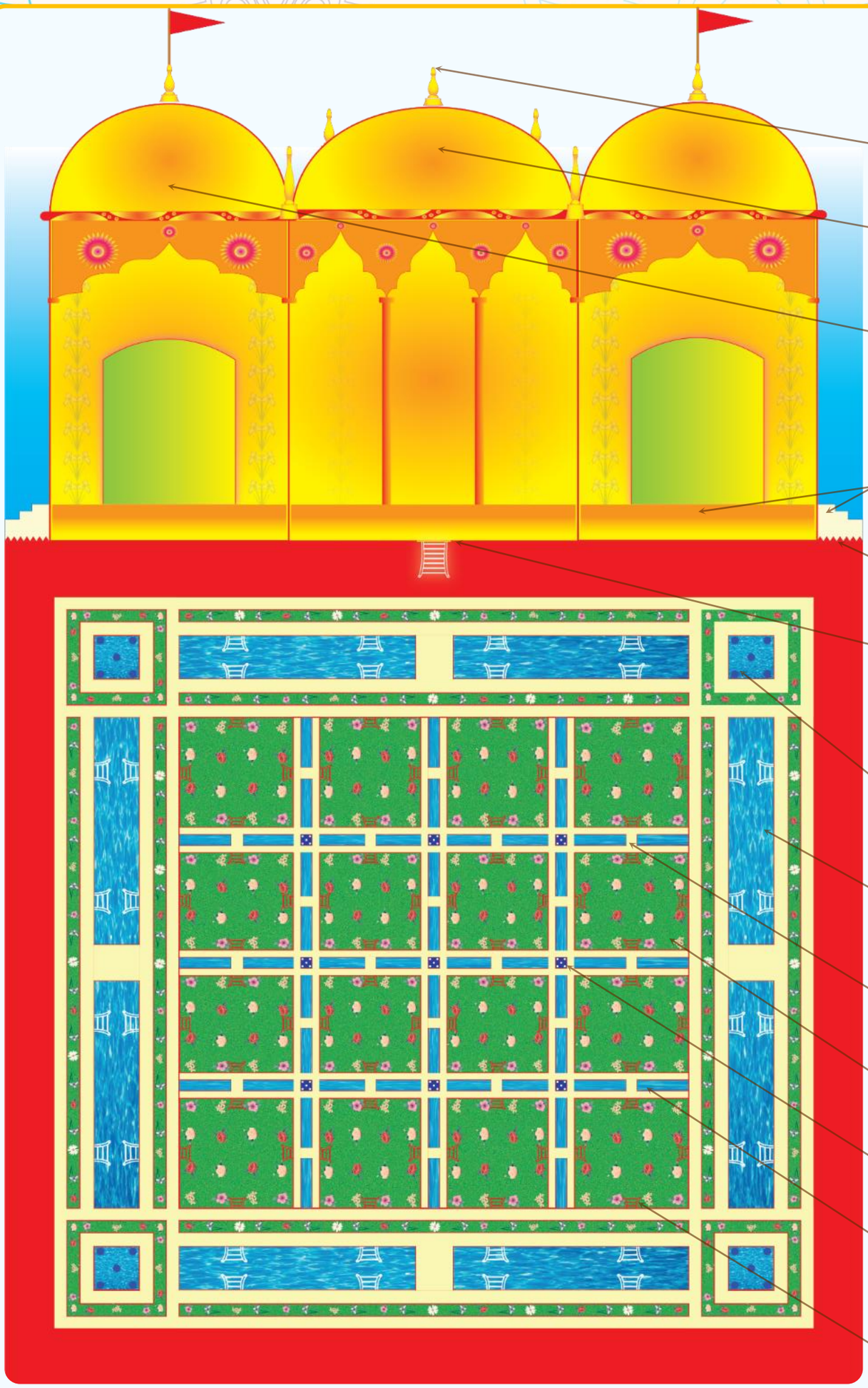
# नक्शा नं. 103 बड़ी रांग : महाबिलंद हवेली की चाँदनी की शोभा



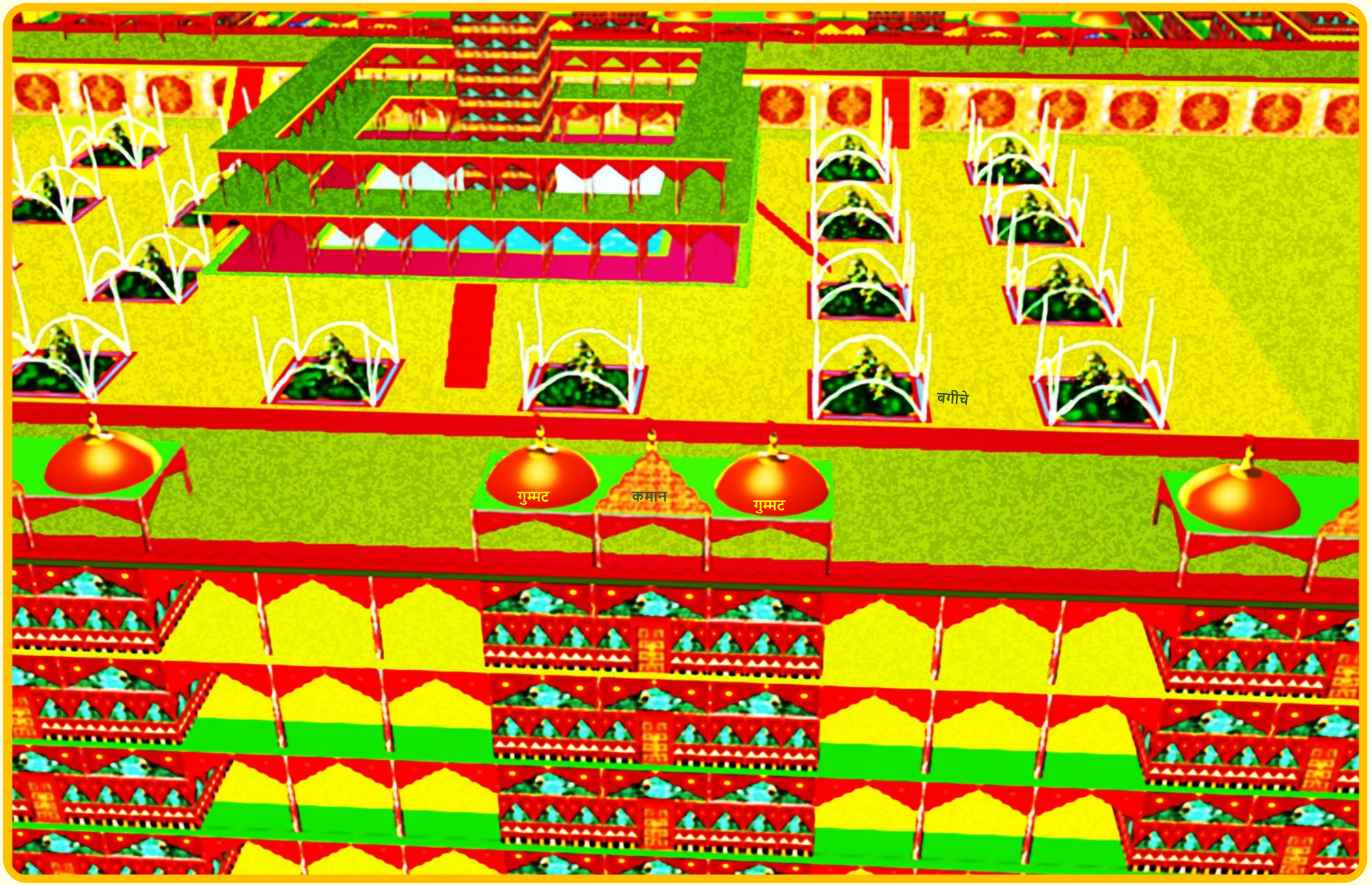
# महाबिलंद हवेली की चाँदनी की शोभा



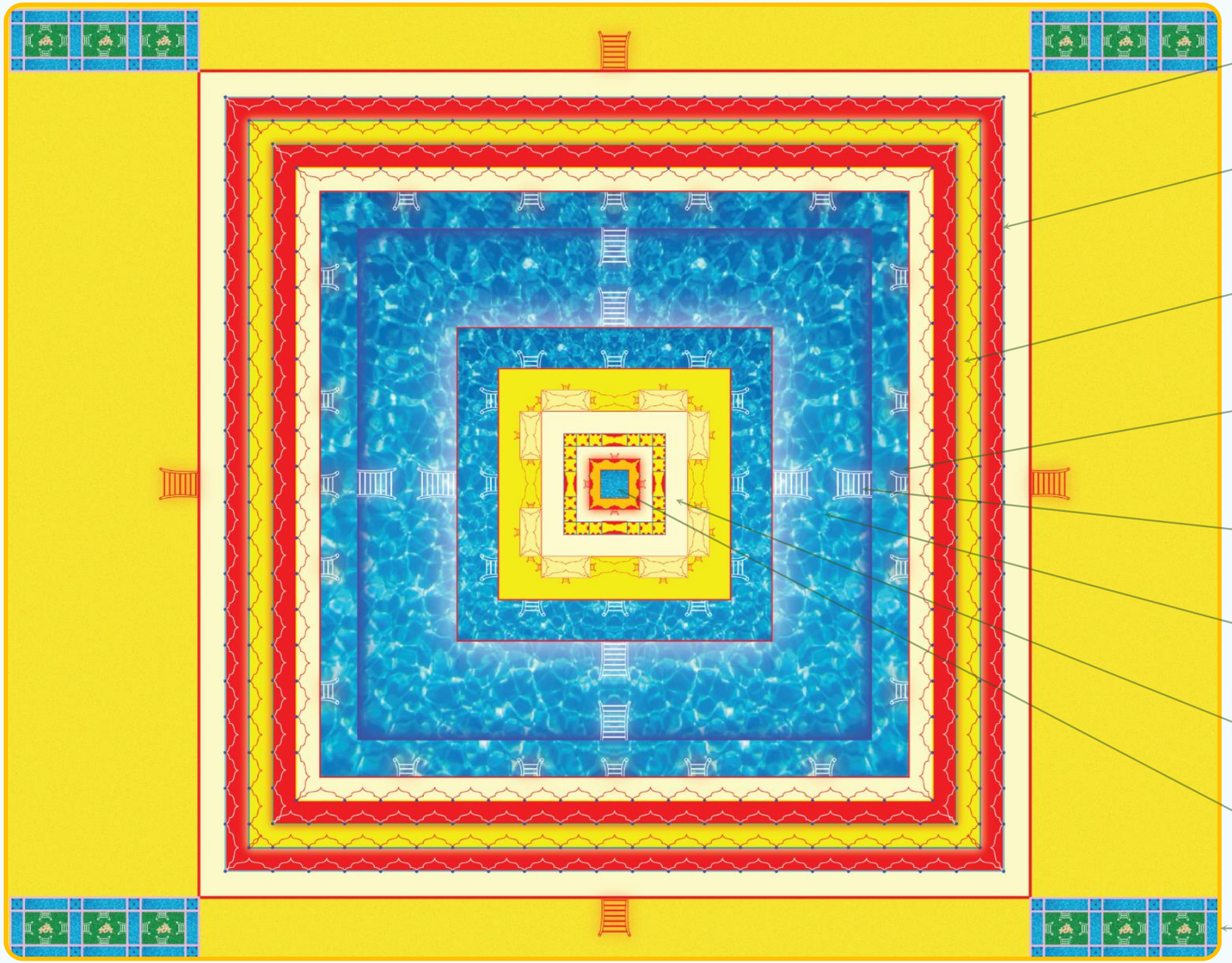
# नक्शा नं. 104 बड़ी रांग : महाबिलंद हवेली की चाँदनी पर एक बगीचे की शोभा



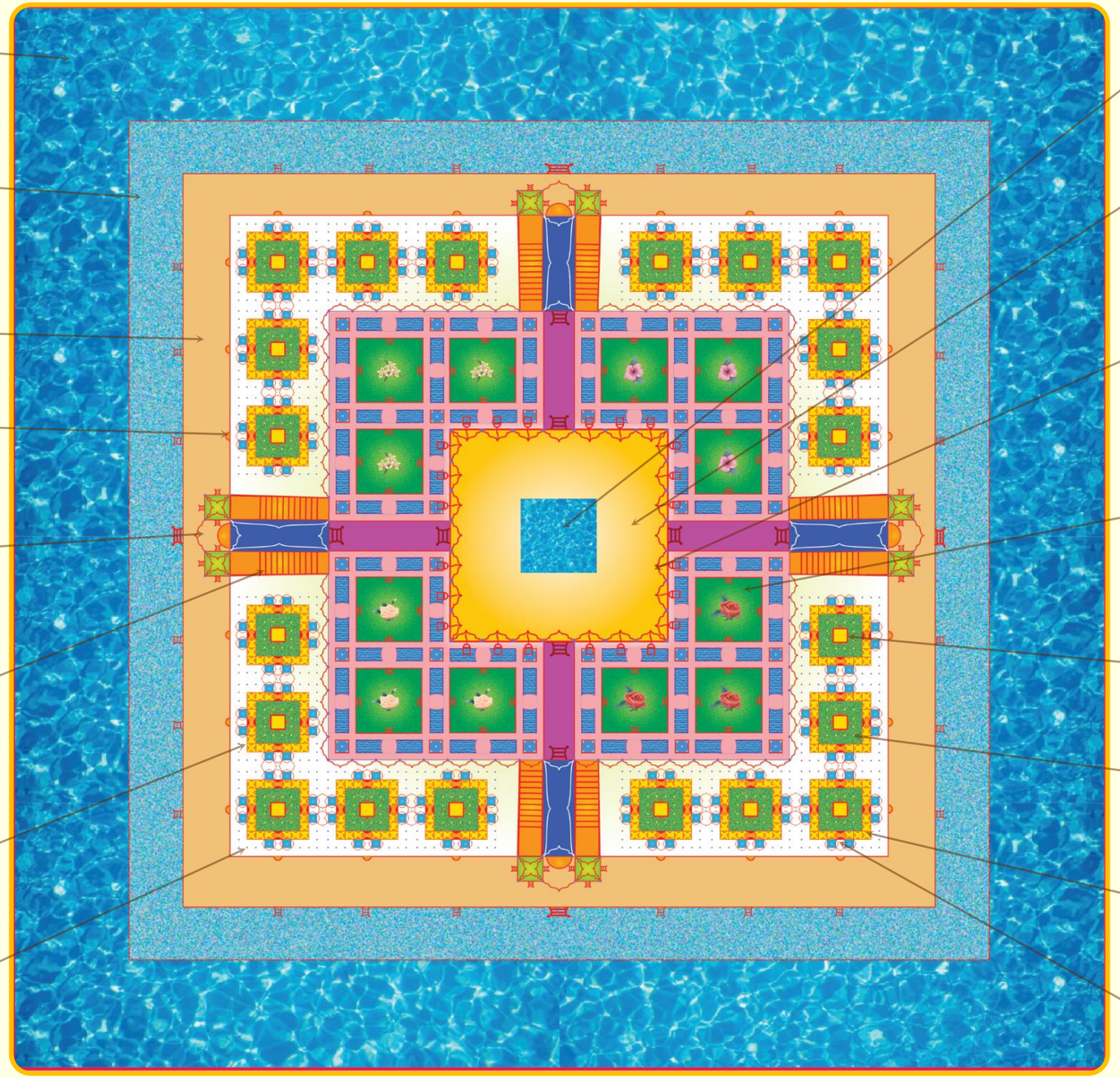
# महाबिलंद हवेली की चाँदनी पर बगीचे, गुम्मट व कमानों की शोभा



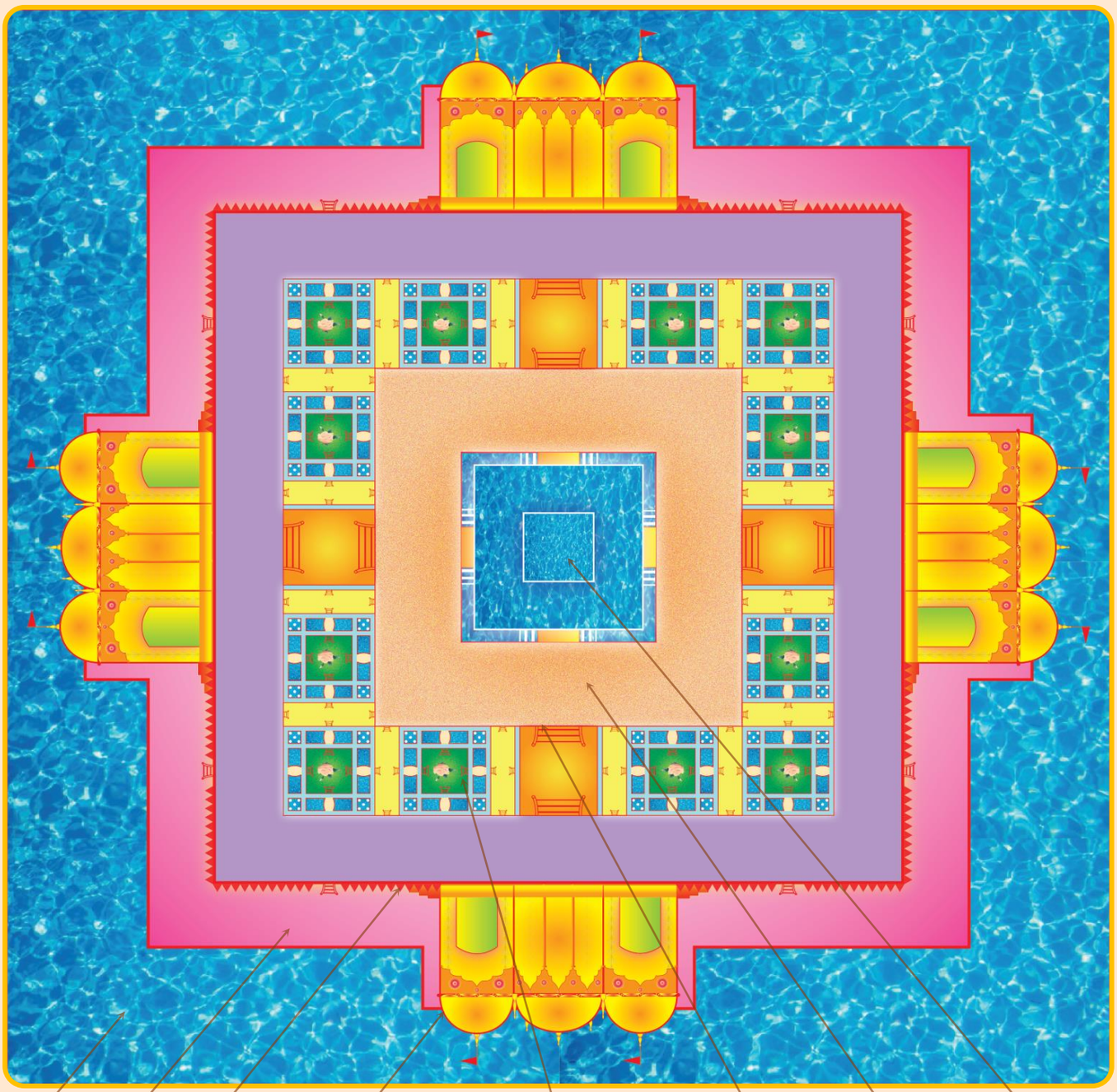
# नक्शा नं. 105(अ) बड़ी रांग : महाबिलंद हवेली की चाँदनी पर टापू महल, ताल व देहलान की शोभा



# नक्शा नं. 105(ब) बड़ी रांग : महाबिलंद हवेली की चाँदनी पर टापू महल की शोभा



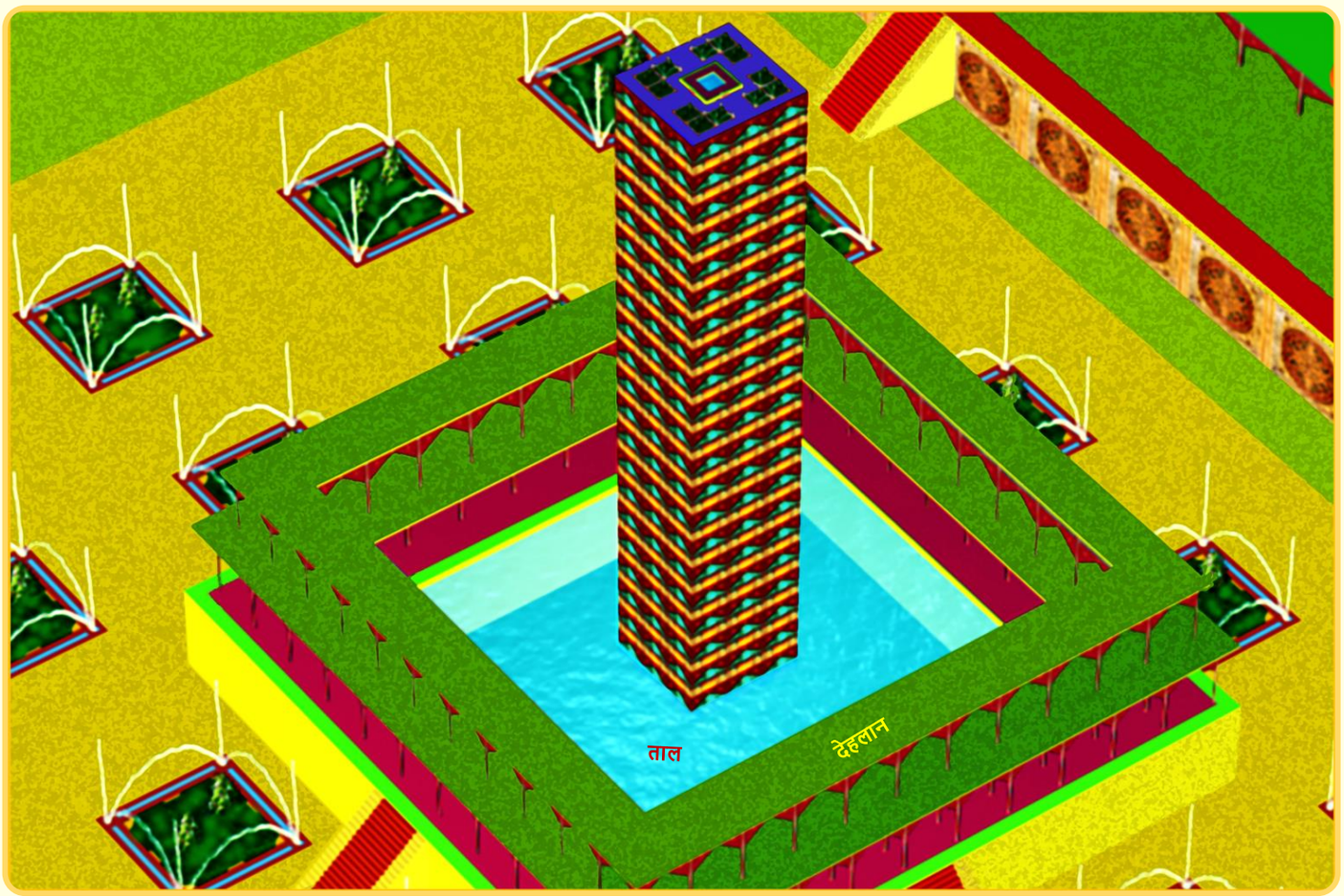
# नक्शा नं. 105(स) बड़ी रांग : महाबिलंद हवेली के टापू महल की चाँदनी



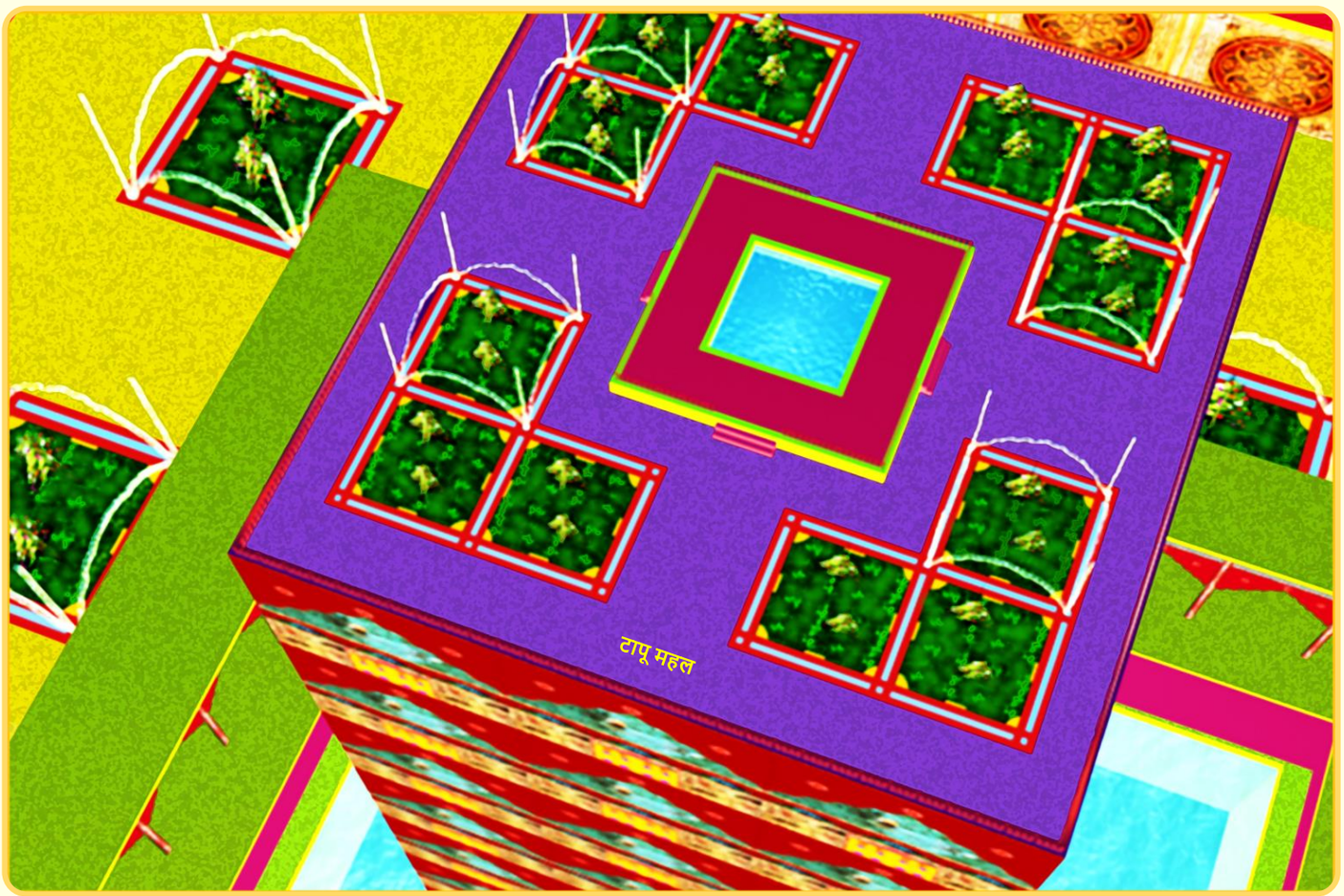
| ताल | छज्जा व 3 सीढ़ियाँ | कांगरी | गुम्मट,कमानें, कलश,ध्वजा व पताका | बगीचे (कमरभर नीचे) | चबूतरा (कमरभर ऊँचा) व 3 सीढ़ियाँ | बैठक | पानी का कुंड व मध्य में खुलता हुआ स्तून |
|---|---|---|---|---|---|---|---|

पार सोभा ना पार सागर, ना पार टापू ना इमारत।
पार टापू ना मोहोल किनारें मोहोल, सोभा आसमान नूर झलकत ।।

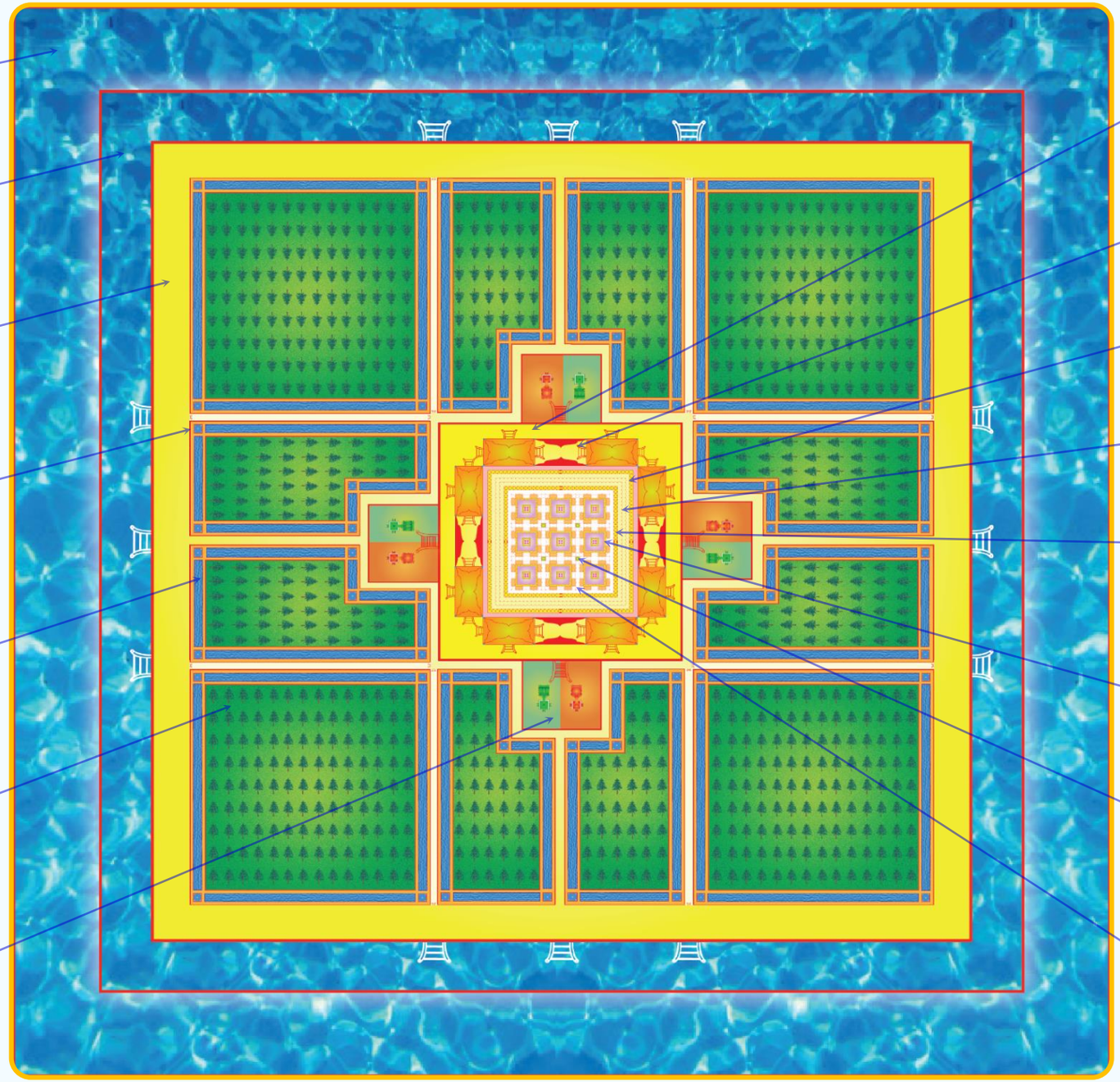
## महाबिलंद हवेली की चाँदनी पर टापू महल, ताल व देहलान की शोभा




## टापू महल की चाँदनी की शोभा



# नक्शा नं. 106 बड़ी रांग : सागर के टापू में से एक टापू की शोभा



सागर का जल

जल चबूतरा व 3 सीढ़ियाँ

रोंस
(कमरभर ऊँची)

चेहबच्चे व फव्वारे
(बगीचे के चारों कोनों में)

नहरें
(बगीचे की चारो दिशाओं में)

12 बगीचे
(चारो दिशाओं व कोनों में)

चाँदनी चौक व
भोमभर सीढ़ियाँ
(चारो दिशाओं में)

चबूतरा (भोमभर ऊँचा)

दिशा के दरवाजे व
दाएं- बाएं चबूतरे

6000 मंदिरो की पहली हार

6000 थंभों की 2 हारें

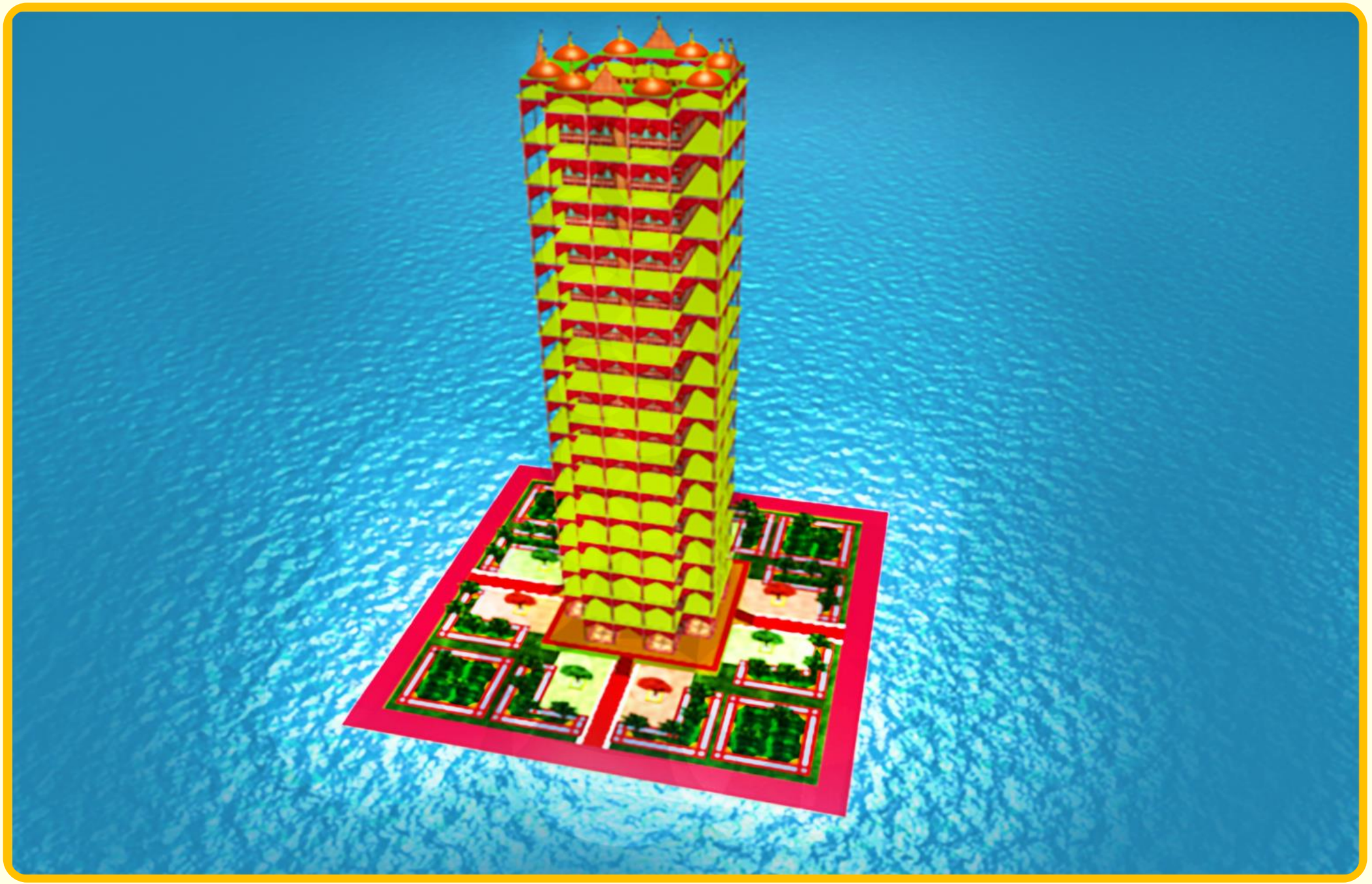
6000 मंदिरो की दूसरी हार

महल
(12000 महलों की 12000 हारें, कुल ऊँचाई 14,40,00,000 भोम)

चबूतरे
(महल के कोनों में)

थंभों की 1 हार
(महल को घेरकर)

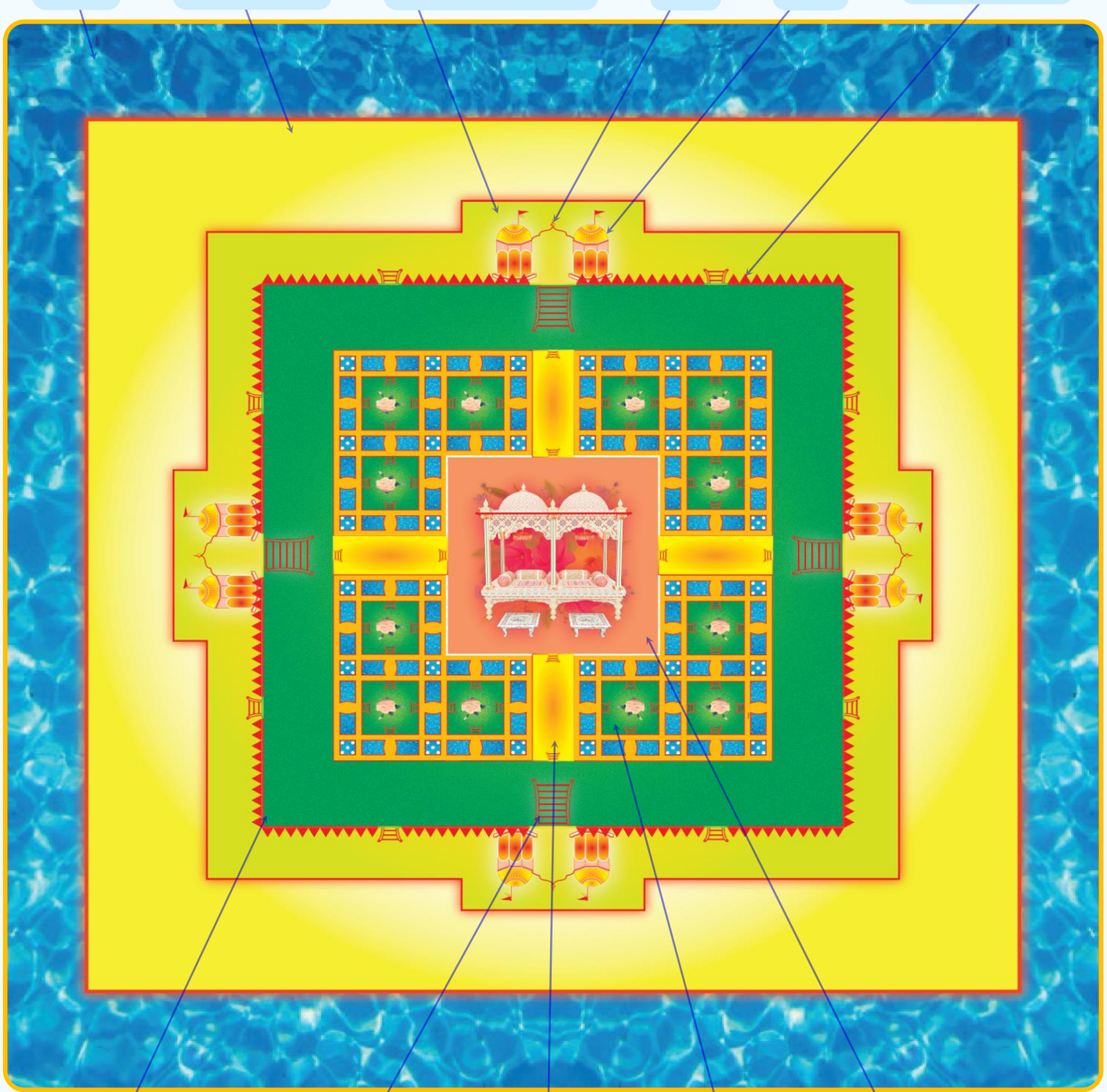
# सागर के एक टापू की शोभा



# जमीन के मध्य एक टापू की शोभा



# नक्शा नं. 107 बड़ी रांग : सागर के टापू में से एक टापूमहल की चाँदनी की शोभा

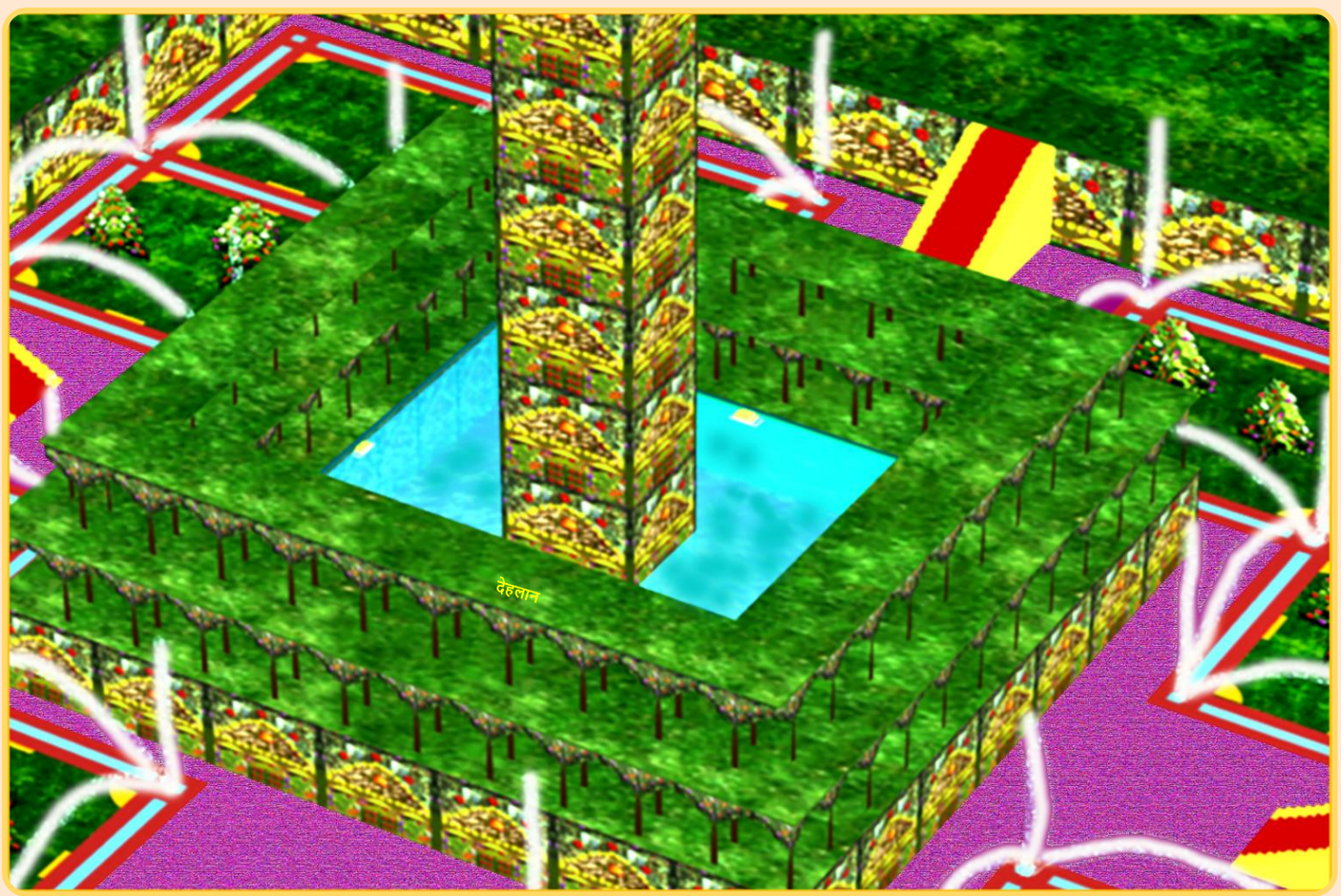



**अर्स सूर कई एक मोहोल में, तैसे मोहोल टापू अपार किनार ।**
**एक मोहोल अंबर कई बीच में, जुबां क्यों कहे गिनती सुमार ।।**

## सागर के एक टापू की चाँदनी की शोभा




## जमीन की चाँदनी के मध्य टापू महल, ताल व देहलान की शोभा



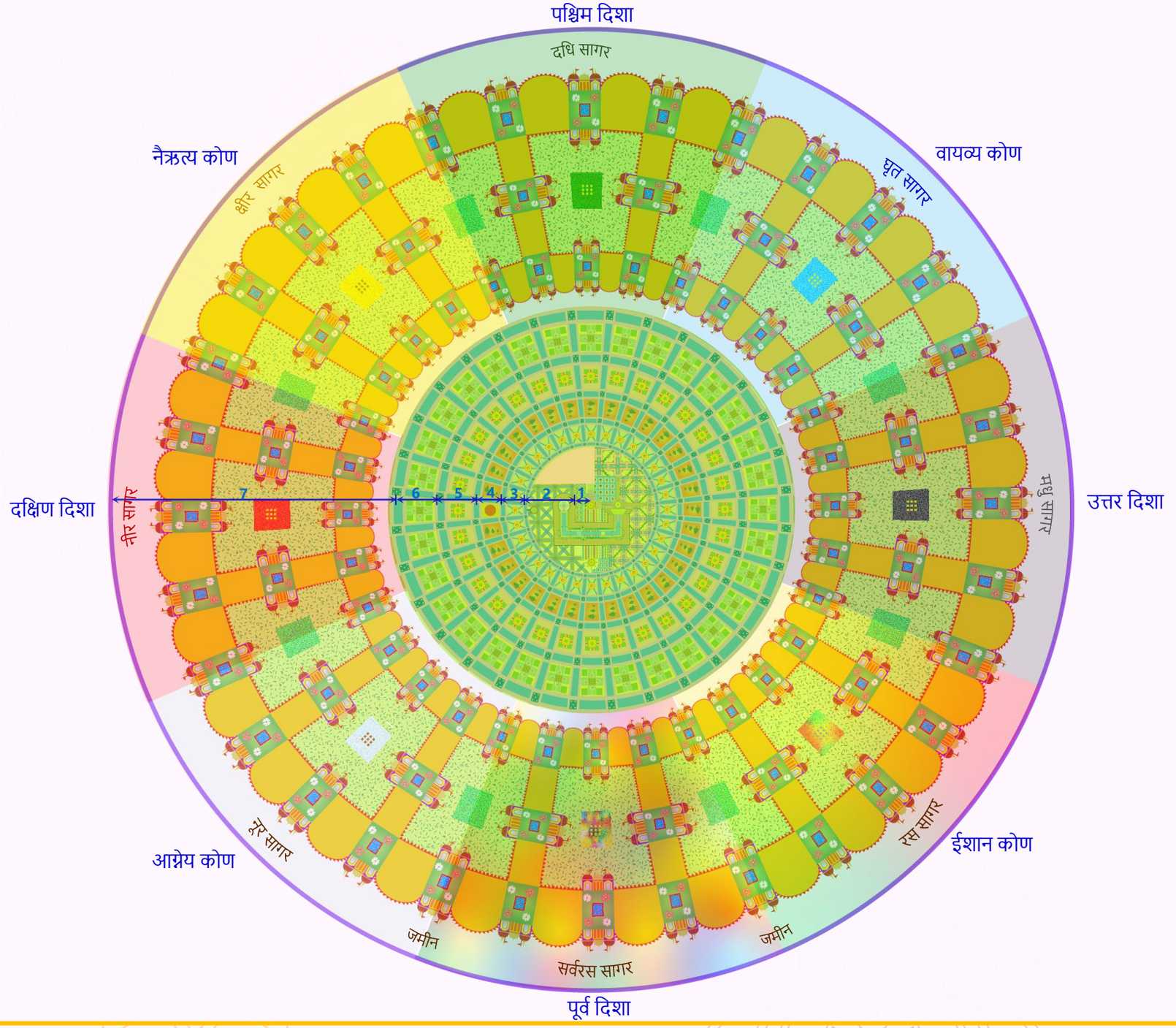
# नक्शा नं. 108 बड़ी रांग : आठ सागर व आठ जमीन की चाँदनी की सम्पूर्ण शोभा

## श्री परमधाम की सात परिक्रमा

1. रंगमहल की नजदीकी परिक्रमा
2. हौज कौसर तालाब, कुंज- निकुंज वन, 24 हांस का महल, पश्चिम की चौगान, पुखराज पहाड़, यमुना जी व अक्षरधाम
3. जवेरों की नहरों/महलों के 9 फिरावे
4. माणिक पहाड़ की हद में बड़ोवन, मधुवन व महावन के फिरावे
5. वन की नहरें/महल
6. छोटी रांग/चार हार हवेली
7. बड़ी रांग - आठ सागर व आठ जमीन

## आठ सागर

1. नूर सागर - श्री राजजी के मुखारबिंद की शोभा का सागर (सफेद)
2. नीर सागर - रूहों की शोभा का सागर (लाल)
3. क्षीर सागर - रूहों की एक दिली/वाहेदत का सागर (पीला)
4. दधि सागर - श्री युगल स्वरूप के सिनगार का सागर (हरा)
5. घृत सागर - इश्क का सागर (आसमानी)
6. मधु सागर - खुदाई इलम का सागर (स्याम)
7. रस सागर - निसबत का सागर (10 रंग)
8. सर्वरस सागर - मेहर का सागर (सर्व रंग/अनंत रंग)



# आठ सागर व आठ जमीन की चाँदनी की शोभा

